Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 221 | पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 | रायपुर, शुक्रवार 28 अगस्त, 2026 | www.sakarbharat.com

राजकुमार कॉलेज से हटाई गई शिक्षिका होगी बहाल

हाईकोर्ट बोला- 18 साल बाद नौकरी से निकालना अवैधानिक, ब्याज सहित पूरी सैलरी देने का आदेश

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने राजकुमार कॉलेज के शिक्षक को 18 साल बाद नौकरी से निकालने के फैसले को अवैध बताया है।

कोर्ट ने सिंगल बेंच के फैसले को सही ठहराते हुए शिक्षक को दोबारा नौकरी पर रखने और बकाया वेतन 9% ब्याज के साथ देने का आदेश दिया है। साथ ही हाईकोर्ट ने रायपुर के राजकुमार कॉलेज प्रबंधन की अपील खारिज कर दी।

दरअसल, रायपुर के राजकुमार कॉलेज में सविता मोहंती को 21 जून 1990 को ओडिया भाषा पढ़ाने के लिए सहायक शिक्षिका के पद पर नियुक्त किया गया था। 1994 में उनकी नौकरी पक्की कर दी गई और उन्हें हर साल वेतन बढ़ोतरी भी मिलती रही।

करीब 18 साल तक नौकरी करने के बाद 19 जून 2008 को कॉलेज प्रबंधन ने उन्हें अचानक नौकरी से निकाल दिया। प्रबंधन ने कहा कि स्कूल में ओडिया पढ़ने वाले छात्रों की संख्या कम हो गई है। साथ ही सविता के पास बीएड की डिग्री नहीं है, इसलिए उन्हें दूसरे विषय की शिक्षिका के तौर पर भी नहीं रखा जा सकता।

शिक्षिका ने फैसले के खिलाफ अपील की

प्रबंधन के नौकरी से निकालने के फैसले के खिलाफ शिक्षिका ने अपील की। 8 मई 2012 को संबंधित अधिकारी ने शिक्षिका के पक्ष में फैसला सुनाया। उन्हें दोबारा नौकरी पर रखने और पिछला पूरा वेतन 9% चक्रवृद्धि ब्याज के साथ देने का आदेश दिया गया।

अपीलीय अधिकारी के इस आदेश के खिलाफ कॉलेज प्रबंधन ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। सिंगल बेंच ने 17 मार्च 2026 को प्रबंधन की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद प्रबंधन ने डिवीजन बेंच में अपील की।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद डिवीजन बेंच ने कहा कि 1990 के नियुक्ति पत्र में बीएड की डिग्री जरूरी नहीं थी। 1994 में शिक्षिका की नौकरी पक्की करते समय भी प्रबंधन ने बीएड को लेकर कोई आपत्ति नहीं की थी।

महिलाओं का सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण ही समृद्ध छत्तीसगढ़ की आधारशिला : सीएम साय

रायपुर। रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट स्नेह, विश्वास और आत्मीयता का पर्व है। जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड के ग्राम पंडरीपानी में बुधवार को इस पावन पर्व की यही भावना उस समय और जीवंत हो उठी, जब बड़ी संख्या में क्षेत्र की माताओं-बहनों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनके प्रति अपना स्नेह और सम्मान व्यक्त किया। पूरे कार्यक्रम में भाई-बहन के आत्मीय रिश्ते के साथ बहनों के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति सरकार के संकल्प की झलक दिखाई दी।

ग्राम पंडरीपानी में आयोजित 'रक्षाबंधन एवं बहनों से संवाद' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने बहनों से आत्मीय संवाद किया और उनकी बातें सुनीं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं है, बल्कि बहनों के सम्मान, सुरक्षा और सुखद भविष्य के प्रति अपनी जिम्मेदारी को दोहराने का भी अवसर है। छत्तीसगढ़ की हर माता-बहन आत्मनिर्भर बने, उन्हें आगे बढ़ने के अवसर मिलें और परिवार तथा समाज के निर्णयों में उनकी भूमिका और मजबूत हो, इसी उद्देश्य के साथ राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महिलाओं का सम्मान और सशक्तिकरण ही समृद्ध छत्तीसगढ़ की मजबूत आधारशिला है। जब महिलाएं आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त होती हैं तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है और परिवार की समृद्धि से समाज एवं प्रदेश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। राज्य सरकार की योजनाओं के केंद्र में माताओं-बहनों का सम्मान, स्वावलंबन और बेहतर भविष्य है।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर ग्राम पंडरीपानी में लगभग ?64 लाख के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें महतारी सदन का लोकार्पण भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी सदन गांव की महिलाओं के लिए सामूहिक प्रयासों, आर्थिक गतिविधियों और आत्मनिर्भरता का केंद्र बनेगा।

महतारी सदन में महिलाओं के लिए बैठक कक्ष, प्रशिक्षण की सुविधा, रसोईघर और शौचालय सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इससे महिला स्व-सहायता समूहों और महिला संगठनों को अपनी बैठकें, प्रशिक्षण तथा विभिन्न आजीविका गतिविधियां संचालित करने के लिए सुविधाजनक और सम्मानजनक स्थान उपलब्ध होगा।

महतारी वंदन ने बहनों को दिया आर्थिक आत्मविश्वास

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि योजना के माध्यम से प्रदेश की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। यह राशि बहनों को अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए आर्थिक संबल देने के साथ उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में ग्राम पंचायत फरसाबहार और भेलवा में भी महतारी सदन के निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने मुख्य मार्ग से दानी मोड़ा बस्ती तक सड़क निर्माण के लिए ?3 करोड़ 23 लाख की स्वीकृति प्रदान किए जाने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में बेहतर अधोसंरचना के निर्माण के साथ महिलाओं और ग्रामीण परिवारों के जीवन को सुविधाजनक बनाना सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन के पावन पर्व को ध्यान में रखते हुए हाल ही में प्रदेश की 67 लाख से अधिक माताओं-बहनों के खातों में महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त के रूप में ?631 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की गई है। त्योहार को देखते हुए सितंबर माह की राशि अग्रिम रूप से जारी की गई, ताकि बहनें उत्साह और उल्लास के साथ रक्षाबंधन का पर्व मना सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना नहीं है। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना, उनके कौशल को अवसरों से जोड़ना और परिवार तथा समाज के विकास में उनकी भूमिका को और मजबूत करना सरकार का व्यापक उद्देश्य है।

मंत्री ओपी चौधरी ने किया शिलान्यास, नागरिकों को मिलेगी बेहतर जल निकासी की सुविधा

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने आज रायगढ़ शहर के वार्ड क्रमांक 34 में आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। इस निर्माण कार्य के पूरा होने से वार्डवासियों को जल निकासी की बेहतर सुविधा मिलेगी और क्षेत्र में जलभराव की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

इस अवसर पर वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ शहर के विकास के लिए मूलभूत नागरिक सुविधाओं के विस्तार और अधोसंरचना को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सड़क, नाली, पेयजल सहित आवश्यक सुविधाओं के विकास से शहरवासियों को बेहतर और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वार्डों की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। आर.सी.सी. नाली निर्माण से बारिश के पानी की निकासी व्यवस्थित होगी तथा स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं में भी सुधार आएगा।

पड़ोसी नेपाल के बाढ़ संकट में भारत साथ खड़ा, पीएम मोदी ने बालेन शाह से की बात, दिया हर संभव मदद का भरोसा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से बात कर बाढ़ से हुई तबाही पर शोक जताया। भारत ने इस संकट में नेपाल को हर संभव मानवीय और राहत सहायता का पूरा भरोसा दिया है, जिसमें बचाव और राहत कार्यों के लिए टीमों का समन्वय भी शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार (26 अगस्त) को नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से बात की और पड़ोसी देश में विनाशकारी बाढ़ से हुई जान-माल की हानि पर शोक व्यक्त किया। पीएम मोदी ने शाह को भारत के पूर्ण समर्थन का आश्वासन भी दिया और संकट से निपटने में नेपाल की मदद के लिए हर संभव मानवीय और राहत सहायता की पेशकश की।

X पर एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री बालेन शाह से बात की और नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जान-माल की हानि पर शोक व्यक्त किया। इस कठिन समय में भारत के लोग नेपाल में अपने भाइयों और बहनों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। भारत नेपाल को हर संभव मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। हमारी टीमें बचाव और राहत कार्यों पर निकटता से समन्वय कर रही हैं। सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत पड़ोसी देश में विनाशकारी बाढ़ के बाद जल्द से जल्द नेपाल को राहत सामग्री भेजने की तैयारी कर रहा है।

बुधवार को मध्य नेपाल में अचानक आई ज़बरदस्त बाढ़ से अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है और नदी के किनारे बसे इलाकों में भारी तबाही हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, बाढ़ से कम से कम एक दर्जन पनबिजली परियोजनाओं को भी नुकसान पहुँचा है। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 9 बजे भोटे कोशी नदी में बाढ़ का पानी तेज़ी से बढ़ा; बताया जा रहा है कि यह पानी तिब्बत की तरफ से आया था। इस आपदा से तिब्बत की सीमा से लगे रसुवा और धाडिंग ज़िलों के साथ-साथ काठमांडू के दक्षिण-पश्चिम में स्थित नुवाकोट ज़िला भी प्रभावित हुआ। नेपाल सेना ने एक बयान में कहा कि नदी के जलस्तर में अचानक हुई बढ़ोतरी से रसुवा ज़िले के तिमुरे और पास के स्याफ्रुबेसी इलाके में भारी नुकसान हुआ, जहाँ गाड़ियाँ, सामान और अन्य संपत्तियाँ बह गईं। रसुवा ज़िला काठमांडू के उत्तर-पूर्व में और तिब्बत सीमा से लगभग 125 किलोमीटर दूर स्थित है।

SHORT NEWS

नक्सल पीड़ित 5 परिवारों के सदस्यों को मिली शासकीय सेवा

रायपुर। नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर अब धरातल पर दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित नक्सल पुनर्वास नीति के तहत मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के पांच नक्सल पीड़ित परिवारों के पात्र सदस्यों को शासकीय सेवा में नियुक्ति प्रदान की गई है। जिला कार्यालय में बुधवार को आयोजित बैठक के दौरान मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम ने नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

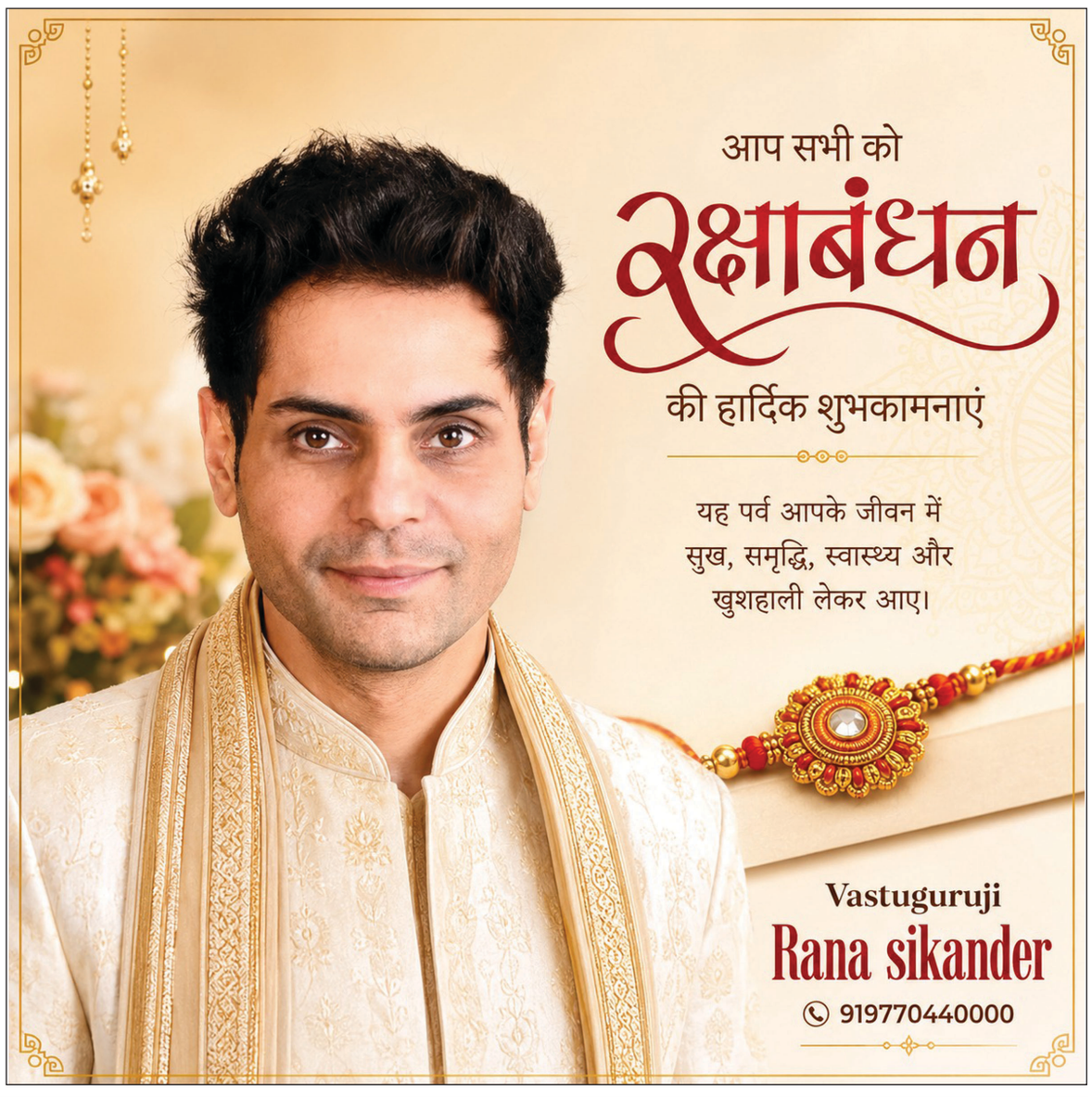

बिहान योजना से आत्मनिर्भर बनीं बिलासपुर की महिलाएं

पशु आहार संयंत्र से मिला रोजगार और नियमित आय

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) योजना के तहत बिलासपुर जिले के बिल्हा विकासखंड स्थित ग्राम अकलतरी की जय भारत महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। राखी के अवसर पर श्लखपति दीदियोंश् की यह सफलता राज्य में महिलाओं के बढ़ते आत्मविश्वास और आर्थिक सशक्तिकरण की कहानी बयां कर रही है।

समूह की दीदियां संयंत्र में पशु एवं पक्षी आहार का कर रही हैं गुणवत्तापूर्ण निर्माण

पशु आहार संयंत्र (ब्जजसम थ्ममक च्संदज) की स्थापना ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वरोजगार तथा बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर पैदा कर रही है। समूह की महिलाओं ने अपनी पारंपरिक आजीविका गतिविधियों से आगे बढ़कर गांव में बिलासा पशु आहार संयंत्र का संचालन शुरू किया है। समूह की दीदियां खुद ही इस संयंत्र में पशु एवं पक्षी आहार का गुणवत्तापूर्ण निर्माण किया जा रहा है। संयंत्र संचालन, मशीनरी ऑपरेटर, पैकेजिंग, लोडिंग-अनलोडिंग और गुणवत्ता जांच (फनंसपजल ब्वदजतवस) के लिए तकनीकी व गैर-तकनीकी कर्मचारियों की आवश्यकता होती है।

संयंत्र की मुख्य विशेषताएं और उपलब्धियां

छोटे या मध्यम स्तर का पशु आहार प्लांट शुरू करके कम लागत में मैन्युफैक्चरिंग व्यवसाय शुरू किया जा सकता है। जय भारत महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए संयंत्र में फीड ग्राइंडर एवं मिक्सर, फीड पैलेट और फीड क्रम्बल मशीनें जैसे आधुनिक मशीनों को स्थापित की गई हैं। समूह की दीदियां खुद ही संयंत्र संचालन, आहार निर्माण, पैकेजिंग और विपणन (मार्केटिंग) का पूरा काम संभाल रही हैं, जिसमें महिलाओं की पूर्ण भागीदारी है। स्थानीय स्तर पर ही पशु व पक्षी आहार उपलब्ध होने से ग्रामीण पशुपालकों और कुक्कुट पालकों के समय तथा परिवहन खर्च में भारी बचत हो रही है। यह पहल न केवल महिलाओं को नियमित आय प्रदान कर रही है, बल्कि गांव की समग्र अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रही है।

विष्णुदेव साय सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप बिहान योजना महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। अकलतरी गांव का यह सफल प्रयास अन्य महिला समूहों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रहा है।

सड़क, अग्नि, एलपीजी एवं विद्युत सुरक्षा के बताए जरूरी उपाय

बलौदाबाजार । अल्ट्राटेक रावन सीएसआर की ओर से प्रशासनिक प्रमुख संजीव मिश्रा के मार्गदर्शन में ग्रामीण समुदाय में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सड़क, अग्नि, एलपीजी एवं विद्युत सुरक्षा विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 40 महिलाओं को दैनिक जीवन में अपनाई जाने वाली आवश्यक सुरक्षा सावधानियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अल्ट्राटेक प्रबंधन के सुरक्षा विभाग के अधिकारी देवेश सिंह ने सड़क सुरक्षा के तहत यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने की सलाह दी। अग्नि सुरक्षा के संबंध में आग लगने की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों, आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने तथा सुरक्षित स्थान पर जाने की जानकारी दी गई। वहीं एलपीजी सुरक्षा के तहत गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग, रेगुलेटर की नियमित जांच और गैस रिसाव होने पर तत्काल बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया गया। विद्युत सुरक्षा के तहत खुले एवं क्षतिग्रस्त तारों से दूर रहने, गीले हाथों से विद्युत उपकरणों को नहीं छूने तथा विद्युत लाइनों और ट्रांसफार्मर के आसपास विशेष सावधानी बरतने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने सुरक्षा नियमों का पालन करने और अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

नगर में खेल मैदान की मांग, युवाओं ने सीएमओ को सौंपा मांग पत्र

जांजगीर-चांपा । नगर पंचायत सारागांव के युवाओं ने नगर में सर्वसुविधायुक्त खेल मैदान उपलब्ध कराने की मांग की है। युवाओं का कहना है कि नगर में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है, लेकिन उचित मैदान और खेल सुविधाओं के अभाव में उन्हें अभ्यास करने में परेशानी होती है। युवाओं ने नगर पंचायत के सीएमओ से खेल मैदान के लिए आवश्यक पहल करने की मांग की है। युवाओं ने बताया कि खेल मैदान उपलब्ध होने से नगर के युवा क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, वॉलीबॉल सहित विभिन्न खेलों का नियमित अभ्यास कर सकेंगे। साथ ही पुलिस, सेना एवं अन्य सुरक्षा बलों में भर्ती की तैयारी करने वाले युवाओं को दौड़ और शारीरिक प्रशिक्षण के लिए भी बेहतर स्थान मिल सकेगा। इससे युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और भविष्य संवारने का अवसर मिलेगा। नगर के युवा शेखर सूर्यवंशी, अमर सिदार, रूपेश सिदार, गोपाल रोहिदास ने नगर पंचायत में शीघ्र खेल मैदान के लिए भूमि एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

खरोरा में धूमधाम से मनाया ईद मिलादुन्नबी, गंगा-जमुनी तहजीब की दिखी मिसाल

खरोरा। ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर खरोरा में मुस्लिम समाज द्वारा धूमधाम से जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में लोगों ने नात पढ़ते हुए शिरकत की। जुलूस दोपहर करीब 3 बजे मस्जिद के सामने से निकाला गया और नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरा।

जुलूस के दौरान जगह-जगह सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की मिसाल देखने को मिली। गुरुद्वारे के सामने सिख समाज के लोगों ने जुलूस का स्वागत करते हुए फ्रूटी, पानी की बोतल और नाश्ता वितरित किया। इस दौरान सभी ने मिलकर आपसी भाईचारे और एकता का संदेश दिया।

वहीं, कुछ दूरी पर हनुमान मंदिर के सामने रामराज खरोरा परिवार की ओर से जुलूस का स्वागत किया गया। परिवार के सदस्यों ने लोगों को शॉल पहनाकर सम्मानित किया तथा नाश्ता और पानी वितरित किया। इस दौरान आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश देखने को मिला।

जुलूस विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस मस्जिद के पास पहुंचा, जहां इसका समापन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान थाना प्रभारी सहित पुलिस टीम मौके पर मौजूद रही। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस द्वारा चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे।

ईद मिलादुन्नबी के इस आयोजन में धार्मिक सौहार्द, सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे की भावना प्रमुख रूप से दिखाई दी।

खाद्य प्रतिष्ठानों पर प्रशासन की कार्रवाई, 21 नमूने लिए, 107 किलो खराब खाद्य सामग्री नष्ट

बलौदाबाजार । कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए सघन जांच अभियान चला रही है। अभियान के तहत पिछले एक सप्ताह में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से 21 नमूने लिए गए हैं। इनमें 7 विधिक और 14 सर्विलांस नमूने शामिल हैं। वहीं, जनस्वास्थ्य के लिए संभावित खतरा बनी 107 किलोग्राम खराब खाद्य सामग्री को मौके पर नष्ट कराया गया।

मंगलवार को खाद्य सुरक्षा दल ने बलौदाबाजार के कलकत्ता स्वीट्स गांधी चौक और रूपड़ा मिष्ठान भंडार तथा सिमगा के जय मां दुर्गा स्वीट्स, बालाजी जोधपुरी स्वीट्स और अमित स्वीट्स का निरीक्षण किया। टीम ने बेसन लड्डू, पेड़ा, मिल्क केक, मलाई पेड़ा, खोया, गुलाब जामुन, शंकरपारा, मेवा, मेथी मटरी और बेमन पापड़ी सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे हैं। रिपोर्ट में मिलावट अथवा अमानकता पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

रूपड़ा मिष्ठान भंडार में हेड कवर और ग्लव्स का उपयोग नहीं किए जाने पर धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया गया। विभाग ने खाद्य कारोबारियों को स्वच्छता एवं गुणवत्ता मानकों का पालन करने की सख्त हिदायत दी है। बिना लाइसेंस संचालित अस्थायी स्टॉलों तथा शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण हाट-बाजारों तक होने वाली संदिग्ध मिठाइयों की आपूर्ति पर भी निगरानी बढ़ाई गई है।

जामा मस्जिद से निकले जुलूस का जगह-जगह हुआ स्वागत, प्रशासन ने संभाली सुरक्षा व्यवस्था

बलौदाबाजार । पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस के अवसर पर मुस्लिम समाज द्वारा जिला मुख्यालय में ईद-मिलाद-उन-नबी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जामा मस्जिद से जुलूसे मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। इस दौरान लोगों ने पैगंबर साहब के बताए प्रेम, शांति, सद्भाव और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया। जुलूस के दौरान नात-ए-पाक पढ़ी गई और विभिन्न स्थानों पर लोगों ने जुलूस का स्वागत किया। जुलूस में शामिल बच्चों एवं जायरीनों के लिए जगह-जगह खाने-पीने की सामग्री और शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई थी। इससे आयोजन में सामाजिक सद्भाव और सेवा भावना का वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब ने पूरी मानवता को दया, समानता, प्रेम, शांति और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने समाज में कमजोर और जरूरतमंद लोगों की मदद करने तथा सभी के साथ सद्भावपूर्वक व्यवहार करने की सीख दी। वक्ताओं ने कहा कि ईद-मिलाद-उन-नबी केवल खुशी मनाने का अवसर नहीं, बल्कि पैगंबर साहब के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने और समाज में अमन-चैन कायम रखने का संदेश देने का भी अवसर है।

समाज के लोगों ने कहा कि हजरत मोहम्मद साहब की पैदाइश का दिन मुस्लिम समाज के प्रमुख पर्वों में से एक है, जिसे देश-दुनिया में श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। उन्होंने सभी धर्मों और समुदायों के लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने तथा मिल-जुलकर समाज और क्षेत्र की शांति को मजबूत करने की अपील की।

जुलूस के दौरान प्रशासन एवं पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। निर्धारित मार्ग पर पुलिस बल तैनात रहा और यातायात व्यवस्था को भी व्यवस्थित किया गया। आयोजन शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

एक ही दिन में 293 बकायादारों के काटे गए बिजली कनेक्शन

जांजगीर-चांपा । बिजली बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं पर कार्यवाही को लेकर विद्युत विभाग का अमला एक्शन मोड पर आ गया है। ऐसे 293 उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन एक ही दिन में काट दिए गए हैं। इन उपभोक्ताओं से 1 करोड़ 25 लाख रुपए की वसूली की जानी है। विद्युत उपभोक्ता अपने घरों और संस्थानों में बिजली का उपयोग तो जमकर करते है, लेकिन बिल पटाने में कोताही बरतते है। ऐसे उपभोक्ताओं पर कार्यवाही को लेकर मंडल के अधिकारी एक्शन मोड पर आ गए हैं । मंगलवार 25 अगस्त को विद्युत विभाग द्वारा एक ही दिन 18 टीम का गठन कर बकायादारों के कनेक्शन काटने की कार्यवाही की गई। यह अभियान जांजगीर, चांपा शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में चलाया गया।

एक ही दिन 293 विद्युत बकायादार उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन विच्छेद किए गए हैं। इन ग्राहकों पर 1 करोड़ 25 लाख का विद्युत बिल बकाया है। इस कार्रवाई से उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया है। विद्युत विभाग की टीम अधीक्षण यंत्री अमर चौधरी के दिशा निर्देशन में सहायक अभियंता कनिष्ठ अभियंता एवं उनकी टीम द्वारा संयुक्त रूप से बिजली कनेक्शन विच्छेद करने की कार्यवाही की गई है इसके लिए 18 टीम गठित की गई है। इसके अलावा विद्युत विभाग की संयुक्त टीम द्वारा 137 उपभोक्ताओं से 60 लाख 97 हजार रुपए का बिजली बिल वसूल करने की कार्यवाही भी की गई है। इस कार्यवाही से विद्युत उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया है। उल्लेखनीय है कि कई ऐसे बिजली होता है, जो अपने घरों में एयर कंडीशनर पंखा कूलर मिल टीवी फ्रिज समेत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का सामान बड़े पैमाने पर उपयोग तो कर लेते हैं लेकिन बिजली का बिल जमा करने को लेकर ध्यान नहीं देते।

उच्चस्तरीय जांच के लिए पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

जांजगीर-चांपा । ग्राम करही में बीते 23-24 अप्रैल 2026 की मध्यरात्रि हुई दर्दनाक एवं निर्मम हत्या आयुष गोलीकांड की घटना को लेकर कन्नौजिया कुर्मी एकता मंच छत्तीसगढ़ ने गंभीर चिंता जताते हुए फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है। संगठन की ओर से इस संबंध में पुलिस अधीक्षक, जांजगीर-चांपा को आवेदन सौंपकर पूरे मामले में प्रभावी कार्रवाई करने मांग की गई है।

इस संबंध में कनौजिया कुर्मी एकता मंच छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुमार कश्यप एवं उनके टीम द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि बिर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत करही गांव में बीते 23 अप्रैल 2026 को हुई इस गंभीर घटना में समाज के सदस्य एवं व्यवसायी सम्मेलाल कश्यप के घर में घुसकर उनके बड़े पुत्र आयुष कश्यप की गोली मारकर दर्दनाक एवं निर्मम हत्या कर दी गई थी। वहीं उनके छोटे पुत्र आशुतोष कश्यप को भी गोली लगने से गंभीर रूप से घायल होने की बात आवेदन में कही गई है। घटना के बाद से पीड़ित परिवार के साथ-साथ समाज के लोगों में भी आक्रोश और चिंता का माहौल बना हुआ है। संगठन के अनुसार, पुलिस द्वारा इस प्रकरण में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि आवेदन में दावा किया गया है कि घटना में कथित रूप से शामिल तीन आरोपी अभी भी फरार हैं। संगठन ने सवाल उठाते हुए कहा है कि इतने गंभीर और संवेदनशील मामले में फरार आरोपियों तक पुलिस अब तक नहीं पहुंच पाई है। ।वेदन के

त्यौहरी सीजन में वसूली अभियान को लेकर लोगों ने उठाए सवाल

शिवरीनारायण । नगर में 25 अगस्त की शाम पुलिस प्रशासन द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान ट्रिपलिंग, बिना हेलमेट, ओवरलोडिंग सहित यातायात नियमों के उल्लंघन पर वाहनों की जांच कर चालानी कार्रवाई की गई। हालांकि, चेकिंग अभियान को लेकर कुछ स्थानीय लोगों ने सवाल भी उठाए हैं। लोगों का कहना है कि अक्सर तीज-त्योहार के आसपास ही इस तरह की सघन चेकिंग क्यों शुरू की जाती है। कुछ वाहन चालकों ने आरोप लगाया कि कार्रवाई के दौरान उनसे जुर्माने के नाम पर राशि ली गई, लेकिन तत्काल रसीद नहीं दी गई। रसीद मांगने पर कथित तौर पर कोर्ट में जमा कराने की बात कही गई। इससे वाहन चालकों में चालान और रसीद की प्रक्रिया को लेकर भ्रम की स्थिति बनी रही।

चेकिंग के दौरान कावड़ यात्रा में शामिल होने जा रहे कुछ कावड़ियों के वाहनों को भी रोके जाने और चालानी कार्रवाई किए जाने की बात सामने आई। वहीं, ऑनलाइन भुगतान स्वीकार किए जाने की बात भी लोगों ने कही। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यातायात नियमों का पालन कराना पुलिस की जिम्मेदारी है और नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई भी होनी चाहिए, लेकिन कार्रवाई की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए। लोगों का सवाल है कि यदि नियम सभी के लिए समान हैं तो बड़े वाहनों और बसों में क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने पर भी उसी तरह सख्ती क्यों नहीं दिखाई जाती। उनका आरोप है कि कई बार बड़े वाहनों में ओवरलोड सवारी दिखाई देने के बावजूद कार्रवाई नहीं होती, जबकि आम वाहन चालकों के चालान काटे जाते हैं क्या चालान सिर्फ गरीब लोगों के लिए है। लोगों ने नगर की खराब

सड़कों को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि सड़क मरम्मत जैसी बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार मांग उठाई जा रही है, लेकिन उन पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती। ऐसे में नागरिकों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई जितनी तेजी से होती है, उतनी ही तेजी से नगर की मूलभूत समस्याओं का समाधान क्यों नहीं किया जाता। कुछ लोगों ने यह भी मांग की कि यदि कोई पुलिसकर्मी स्वयं ट्रिपलिंग अथवा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करता पाया जाता है तो उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। उनका कहना है कि कानून और नियम सभी के लिए समान होने चाहिए, जिससे पुलिस प्रशासन के प्रति आम लोगों का विश्वास मजबूत हो। इसी बीच कुछ स्थानीय नागरिकों ने नगर में पुलिस विभाग से जुड़े कुछ कर्मचारियों पर कथित रूप से बड़े पैमाने पर बेजा कब्जा कर मकान बनाए जाने के आरोप भी लगाए हैं। नागरिकों का आरोप है कि ऐसे मामलों में विभाग की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती, उलटा उसके स्थान पर वहां आवास पास कर दिया जाता है जबकि गरीब और आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच होने पर ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। स्थानीय लोगों ने नगर में कथित अवैध शराब और जुआ-सट्टा होटलों में चल रहे अवैध गतिविधियों पर भी प्राथमिकता से कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

दिव्यांग प्रमाणीकरण व यूडीआईडी निर्माण शिविर में 110 दिव्यांगजनों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

मोहला । कलेक्टर के मार्गदर्शन में दिव्यांगजनों को शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर में जिला स्तरीय दिव्यांग प्रमाणीकरण एवं DID निर्माण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला मेडिकल विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं दिव्यांगता का चिकित्सकीय परीक्षण किया गया। साथ ही दिव्यांगता प्रमाण-पत्र एवं छ्वछ्व कार्ड निर्माण की प्रक्रिया भी पूरी की गई। शिविर में विभिन्न श्रेणियों के कुल 110 दिव्यांगजनों का परीक्षण एवं प्रमाणीकरण किया गया। इनमें मानसिक रोग से संबंधित 8, श्रवण बाधित 11, अस्थि बाधित 67, सिक्ल सेल 2, मूक-बधिर 17 तथा दृष्टि बाधित 5 दिव्यांगजन शामिल रहे।

शिविर के माध्यम से दिव्यांगजनों को एक ही स्थान पर आवश्यक चिकित्सकीय जांच, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र तथा DID कार्ड से संबंधित सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इससे दिव्यांगजनों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी।

जिले में फॉस्टर केयर की ऐतिहासिक शुरुआत, बालक को मिला नया परिवार और सुरक्षित भविष्य

मोहला । जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में बाल संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज हुई है। जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा बाल कल्याण समिति (छ्ड्ढष्ट) के संयुक्त प्रयासों से जिले का पहला सफल फॉस्टर केयर (पोषण देखरेख) पुनर्वास पूरा किया गया है। इसके तहत एक बालक को संस्थागत देखरेख से निकालकर सुरक्षित एवं पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराया गया है। कलेक्टर तनुजा सलाम के निर्देशन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी के मार्गदर्शन में 1 जून से 30 जून 2026 तक सड़क जैसी परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों के रेस्क्यू एवं पुनर्वास के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान श्रम विभाग, पुलिस विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त टीम ने एक स्थानीय ढाबे से बालक का रेस्क्यू किया। जांच में सामने आया कि बालक के माता-पिता एवं दादा-दादी का निधन हो चुका है। बालक को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के बाद तत्काल संरक्षण के लिए बालगृह भेजा गया। बालगृह में काउंसलिंग के दौरान बालक ने पारिवारिक वातावरण में रहने की इच्छा व्यक्त की।

नक्सल पुनर्वास नीति के तहत 5 नक्सल पीड़ित परिवारों के सदस्यों को मिली शासकीय सेवा

मोहला । नक्सल पुनर्वास नीति के तहत नक्सल पीड़ित परिवारों के पुनर्वास एवं उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसी क्रम में आज जिला कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान नक्सल पीड़ित परिवारों के 5 पात्र सदस्यों को नियुक्ति प्रदान की गई। कलेक्टर तनुजा सलाम ने सभी नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर शुभकानाएं दी।

नक्सल पीड़ित परिवारों के इन सदस्यों की नियुक्ति आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावास एवं आश्रमों में भृत्य पद पर की गई है। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वालों में रवि दुग्गा, अजय कुमार सलामे, दिलसाय कोरेटी, समीला पूड़ो एवं पायल ईश्वर पूड़ो शामिल हैं।

नक्सल पुनर्वास नीति के अंतर्गत नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, उनके जीवन में स्थायित्व लाने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से शासन द्वारा विभिन्न कल्याणकारी एवं पुनर्वास संबंधी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी दिशा में पात्र नक्सल पीड़ित परिवारों के सदस्यों को शासकीय सेवा का अवसर प्रदान किया गया है। शासकीय सेवा मिलने से इन परिवारों को आर्थिक संबल प्राप्त होने के साथ-साथ उनके जीवन में स्थायित्व और आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त होगा।

नल से घर तक पानी की सुविधा कविता बोलीं- धन्यवाद विष्णुदेव साय भैया

कांकेर । जिले के नरहरपुर ब्लॉक के ग्राम पुरियारा निवासी कविता निषाद के लिए पहले घर के रोजमर्रा के कामों के साथ पानी की व्यवस्था करना भी एक बड़ी चुनौती थी। गांव में उनके घर से दूर स्थित हैंडपंप से पानी लाना पड़ता था। इसमें समय और मेहनत दोनों लगते थे। जल जीवन मिशन योजना के तहत जब उनके घर तक नल कनेक्शन पहुंचा और नियमित पेयजल मिलने लगा, तो उनकी वर्षों पुरानी परेशानी दूर हो गई। अब उन्हें पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। घर पर ही नियमित रूप से पानी उपलब्ध होने से उनका दैनिक जीवन आसान हुआ है। कविता निषाद ने खुशी के कहा की पहले पीने के पानी के लिए दूर हैंडपंप जाना पड़ता था।

बिहान' से मिला आर्थिक संबल, मछली पालन से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं निरा राजवाड़े

रायपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को संगठित कर उन्हें आजीविका के स्थायी साधनों से जोड़ने की दिशा में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित 'बिहान' कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों के लिए ऋण एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे महिलाएं अपनी रुचि और स्थानीय संसाधनों के अनुरूप आजीविका गतिविधियां शुरू कर आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रही हैं।

ऐसी ही प्रेरक कहानी लखनपुर विकासखंड की ग्राम पुहपुटरा की महिलाओं की, मुनिता स्व-सहायता समूह की सचिव श्रीमती निरा राजवाड़े ने बताया कि 'बिहान' से जुड़ने के बाद उन्होंने समूह की अन्य महिलाओं के साथ मिलकर मछली पालन को आजीविका का साधन बनाया है। उन्होंने समूह को 1 लाख 20 हजार रुपए का ऋण लिया, और इसका उपयोग मछली पालन की गतिविधि शुरू करने में किया है।

महिलाओं ने 10 वर्ष की लीज पर लिया तालाब: निरा राजवाड़े ने बताया कि समूह ने 10 वर्ष की लीज पर तालाब लिया है। इसी तालाब में समूह की महिलाएं मछली पालन कर रही हैं। समूह द्वारा ऋण राशि का उपयोग आजीविका गतिविधि को आगे बढ़ाने के लिए कर रही हैं। मछली पालन से आने वाले समय में आय प्राप्त होगी, और समूह की महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

उन्होंने बताया कि मछली पालन एक ऐसी गतिविधि है, जिसमें समूह की महिलाएं सामूहिक रूप से कार्य कर रही हैं। तालाब की देखरेख, मछली पालन से संबंधित कार्य और भविष्य में मछलियों की बिक्री के माध्यम से होने वाली आय से समूह की आजीविका को बढ़ाने की योजना है। इससे महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार का अवसर भी मिलेगा।

समूह से जुड़ने के बाद मिला आजीविका का अवसर

निरा राजवाड़े बताती हैं कि पहले वे स्व-सहायता समूह से नहीं जुड़ी थीं। उस समय उनके पास नियमित रूप से कोई आजीविका गतिविधि नहीं थी। 'बिहान' से जुड़ने के बाद उन्हें समूह के माध्यम से सामूहिक रूप से काम करने का अवसर मिला।उन्होंने कहा कि समूह से जुड़ने के बाद महिलाओं को अलग-अलग गतिविधियों से जुड़ने और अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने का रास्ता मिला है। पहले जहां काम के अवसर सीमित थे, वहीं अब समूह के माध्यम से महिलाएं मिलकर आजीविका गतिविधियां संचालित कर रही हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है और भविष्य को लेकर नई उम्मीद जगी है।

आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा समूह

मुनिता समूह की महिलाओं के लिए मछली पालन केवल आय का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समूह को मिले ऋण का उपयोग उत्पादन आधारित गतिविधि में किया जा रहा है। मछली पालन से प्राप्त होने वाली आय से समूह की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ महिलाओं की व्यक्तिगत एवं पारिवारिक आवश्यकताओं की पूर्ति में भी सहयोग मिलेगा।श्रीमती निरा राजवाड़े ने बताया कि 'बिहान' से जुड़ने के बाद उन्हें अपने स्तर पर आर्थिक गतिविधि करने का अवसर मिला है। समूह के माध्यम से महिलाएं अब अपनी मेहनत और सामूहिक प्रयास से आय अर्जित करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह की गतिविधियों के माध्यम से समूह की महिलाएं 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

बहनों की खुशहाली का उपहार, विष्णु भैया की सरकार : महतारी वंदन योजना से पनारापारा की कुमारी दीदी को मिला स्वावलंबन का संबल

बीजापुर । 'हर बहन के चेहरे पर मुस्कान, विष्णु भैया का यही अरमान।' यह भाव आज उन महिलाओं के जीवन में दिखाई दे रहा है, जिन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए शासन की योजनाएं सहारा दे रही हैं। बीजापुर के पनारापारा आंगनबाड़ी केंद्र की हितग्राही 45 वर्षीय कुमारी त्रिपाल की कहानी भी संघर्ष से स्वावलंबन तक के सफर की प्रेरणादायी मिसाल है।

पति स्वर्गीय जनक त्रिपाल के निधन के बाद कुमारी त्रिपाल के सामने परिवार चलाने की बड़ी चुनौती थी। उनकी एक बेटी है, जिसका विवाह हो चुका है। घर में कमाने वाला कोई अन्य सदस्य नहीं होने के बावजूद उन्होंने परिस्थितियों के आगे हार नहीं मानी। उन्होंने मेहनत को अपना सहारा बनाया और छोटी-सी सब्जी की दुकान शुरू की। कुमारी त्रिपाल की दिनचर्या सुबह करीब 4 बजे शुरू होती है। वे मंडी जाकर सब्जियां खरीदती हैं और उन्हें अपनी दुकान तक लाकर दिनभर बिक्री करती हैं। सीमित आमदनी और बढ़ती महंगाई के बीच घर का खर्च चलाना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने मेहनत जारी रखी। इसी संघर्ष के बीच महतारी वंदन योजना उनके लिए आर्थिक संबल बनकर आई। योजना के तहत उन्हें हर महीने 1000 रुपये की राशि सीधे बैंक खाते में प्राप्त हो रही है। इस राशि का उपयोग वे सब्जी खरीदने और व्यवसाय को सुचारू रूप से चलाने में कर रही हैं। कुमारी त्रिपाल भावुक होकर कहती हैं, 'पति के जाने के बाद लगा था कि अब कोई सहारा नहीं है। लेकिन विष्णु भैया ने बड़े भाई की तरह साथ दिया। हर महीने मिलने वाले 1000 रुपये मेरे लिए बहुत बड़ा सहारा हैं। इससे मैं दुकान के लिए सब्जी ला पाती हूं और कुछ राशि बचा भी लेती हूं। इससे मुझे सम्मान के साथ अपना जीवन चलाने की हिम्मत मिली है।' आज कुमारी त्रिपाल अपनी मेहनत से सब्जी का व्यवसाय चला रही हैं और किसी के आगे हाथ फैलाए बिना आत्मसम्मान के साथ जीवन यापन कर रही हैं। महतारी वंदन योजना से मिली आर्थिक सहायता ने उनके संघर्ष को मजबूती दी है और उन्हें स्वावलंबन की राह पर आगे बढ़ने का अवसर दिया है। कुमारी त्रिपाल की कहानी यह संदेश देती है कि छोटी-सी आर्थिक सहायता भी यदि सही दिशा में उपयोग की जाए तो वह आत्मनिर्भरता की बड़ी शुरुआत बन सकती है। उनका संघर्ष और हौसला अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा है।

'राखी का धागा, भरोसे का साथ-विष्णु भैया संग विकास की बात।' यही भाव महतारी वंदन योजना से जुड़ी उन महिलाओं की कहानियों में दिखाई देता है, जो अपने संघर्ष को अपनी ताकत बनाकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं। 'बहनों की तरक्की, परिवार की शानकृविष्णु भैया का यही अभियान।'

आदिवासी अंचल की तीन बेटियों का एमबीबीएस में चयन होने से बढ़ा क्षेत्र का गौरव

रायपुर। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी आदिवासी अंचल की तीन होनहार बेटियों ने अपनी मेहनत, लगन और शिक्षा के प्रति समर्पण से चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। कु. मिनाक्षी भंडारी, कु. हिमांशी ढाले एवं कु. राधिका अमिला का MBBS में चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के साथ पूरे आदिवासी समाज और क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। ग्राम बोगाटोला (कुम्हली) निवासी कु. मिनाक्षी भंडारी का चयन मेडिकल कॉलेज कांकेर, ग्राम विजयपुर निवासी कु. हिमांशी ढाले, पिता रविंद्र ढाले का चयन मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर तथा ग्राम केशला, पोस्ट ककईपार, तहसील मोहला निवासी कु. राधिका अमिला, पिता चम्पू राम अमिला का चयन CIMS बिलासपुर में हुआ है। तीनों छात्राओं ने ग्रामीण परिवेश में रहते हुए सीमित संसाधनों के बीच कठिन परिश्रम कर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता न केवल उनके परिवार के लिए गौरव की बात है।

सोमनी में गणेशोत्सव की तैयारियां जोरों पर, 6 फीट के गणपति विराजेंगे

रायपुर। ग्राम सोमनी में गणेशोत्सव को इस वर्ष भव्य एवं आकर्षक बनाने की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। गणेशोत्सव के आयोजन के लिए 'सोमनी का महाराजा सार्वजनिक उत्सव सेवा मंडल' का गठन किया गया है। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए लगातार बैठकें एवं व्यवस्थाओं पर काम किया जा रहा है।

गणेशोत्सव के सफल संचालन के लिए गठित समिति में अध्यक्ष सात्विक ठाकुर, उपाध्यक्ष अक्षत तिवारी एवं भवी राजपूत, कोषाध्यक्ष हिमांशु सिंह राजपूत, सचिव प्रखर तिवारी तथा उपसचिव निखिल साहू को जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति के पदाधिकारी आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालते हुए तैयारियों में जुटे हुए हैं।समिति द्वारा इस वर्ष 6 फीट ऊंची भगवान गणेश की आकर्षक प्रतिमा स्थापित करने की तैयारी की जा रही है। गणेशोत्सव के दौरान पूजा-अर्चना सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन की भी तैयारी की जा रही है। समिति का उद्देश्य ग्रामवासियों की सहभागिता से गणेशोत्सव को यादगार और भव्य स्वरूप प्रदान करना है।

गांव में गणेशोत्सव को लेकर युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। समिति के सदस्य पंडाल, साज-सज्जा, विद्युत व्यवस्था, पूजा-अर्चना एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियों में जुटे हैं। आयोजन को लेकर ग्रामीणों में भी उत्साह का माहौल है।समिति पदाधिकारियों ने बताया कि गणेशोत्सव को सभी ग्रामवासियों के सहयोग और सहभागिता से भव्य रूप दिया जाएगा।

जशपुर में 'चेकमेट एट जशपुर 2026': नेशनल लेवल चेस टूर्नामेंट की उल्टी गिनती शुरू

जशपुरनगर । जशपुर में पहली बार 'चेकमेट एट जशपुर-अखिल भारतीय ओपन फिडे रेटेड शतरंज प्रतियोगिता 2026' का आयोजन 29 अगस्त से 1 सितंबर तक पुरानी टोली स्थित कम्युनिटी हॉल में होगा।

जिला प्रशासन एवं खेल विभाग तथा जशपुर जिला शतरंज संघ द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में देशभर के खिलाड़ी शामिल होंगे। प्रतियोगिता में कुल 2 लाख 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि रखी गई है। मुख्य श्रेणी में विजेता को 50 हजार रुपये एवं ट्रॉफी, उपविजेता को 30 हजार तथा तृतीय स्थान प्राप्त खिलाड़ी को 20 हजार रुपये एवं ट्रॉफी मिलेगी। इसके अलावा विभिन्न रेटिंग, महिला, वरिष्ठ, आयु वर्ग तथा जशपुर एवं सरगुजा संभाग के खिलाड़ियों के लिए भी विशेष पुरस्कार रखे गए हैं। प्रतियोगिता आठ चक्रों में फिडे स्विस प्रणाली के अनुसार होगी।

पिछले वर्ष जशपुर में हुए शतरंज प्रतियोगिता के मुख्य श्रेणी विजेता स्पर्श खंडेलवाल ने खिलाड़ियों से जशपुर आने की अपील करते हुए कहा कि वे पिछले वर्ष के विजेता हैं और इस वर्ष भी 29 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाली प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ियों से शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह करते हैं। उन्होंने कहा कि जशपुर में हर वर्ष शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन होना खुशी की बात है और उम्मीद है कि यह आयोजन लगातार और बड़ा होता जाएगा। पिछले वर्ष के प्रथम रनर-अप वी. विराट अय्यर ने भी खिलाड़ियों को जशपुर आने का न्योता देते हुए कहा कि पिछले वर्ष जशपुर में आयोजित राज्य स्तरीय ओपन शतरंज प्रतियोगिता में उन्हें प्रथम रनर-अप रहते हुए 21 हजार रुपये का पुरस्कार मिला था। उन्होंने इस वर्ष आयोजित अखिल भारतीय फिडे रेटेड शास्त्रीय शतरंज प्रतियोगिता में फिर शामिल होने की बात कहते हुए खिलाड़ियों से जशपुर आकर प्रतियोगिता का हिस्सा बनने की अपील की।

राखी निर्माण से अनीता सिंह के हुनर को मिली नई पहचान

रायपुर। एमसीबी जिले के ग्राम चनवारीडांड की रहने वाली अनीता सिंह बिहान योजना के अंतर्गत स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर उन्होंने अपने समूह की अन्य महिलाओं के साथ मिलकर राखियां तैयार करने का कार्य किया। इस कार्य के माध्यम से उन्हें नया हुनर सीखने और अपनी प्रतिभा को रोजगार से जोड़ने का अवसर मिला।

अनीता सिंह बताती हैं कि राखी निर्माण के दौरान उन्हें बहुत कुछ नया सीखने को मिला। उनके स्व-सहायता समूह द्वारा तैयार की गई राखियों को '।ड्ड्यस्रद्भश ब्ल्ह्डुठ्ठस्त्र' के नाम से स्थानीय बाजार के साथ-साथ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म स्ह्वद्दद्बद्धश पर भी बिक्री के लिए उपलब्ध कराया गया। समूह की महिलाओं द्वारा तैयार राखियों को बाजार तक पहुंच मिलने से अनीता काफी खुश हैं। उनका कहना है कि बिहान योजना के माध्यम से समूह से जुड़ने के बाद उन्हें घर से ही काम करने और अपनी आमदनी बढ़ाने का अवसर मिल रहा है।

अनीता सिंह का कहना है कि समूह के साथ मिलकर काम करने से उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है। पहले जहां उनकी पहचान मुख्य रूप से घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित थी, वहीं अब वे अपने हुनर के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी निभा रही हैं। राखी निर्माण जैसे कार्यों से उन्हें अपनी मेहनत और हुनर को आगे बढ़ाने का अवसर मिल रहा है और वे धीरे-धीरे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। अनीता सिंह को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रुपये की राशि भी प्राप्त होती है। रक्षाबंधन से पहले मिली महतारी वंदन योजना की राशि उनके लिए त्योहार की तैयारियों के बीच बड़ा सहारा बनी। उन्होंने बताया कि इस राशि से उन्हें अपनी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलती है और परिवार की आर्थिक जरूरतों में भी सहयोग मिलता है।

अनीता सिंह कहती हैं कि 'हमारे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं को लगातार आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। बिहान योजना के माध्यम से हमें समूह से जुड़कर काम करने और अपने हुनर को आगे बढ़ाने का अवसर मिला है। वहीं महतारी वंदन योजना से हर महीने मिलने वाली राशि भी हमारे लिए बहुत बड़ा सहारा है। रक्षाबंधन से पहले मिली राशि से त्योहार की तैयारियों में काफी मदद मिली। मैं इसके लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं और उन्हें रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं।'

ग्राम चनवारीडांड की अनीता सिंह की कहानी इस बात का उदाहरण है कि शासकीय योजनाओं और स्व-सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं अपने हुनर को रोजगार से जोड़ते हुए आर्थिक रूप से मजबूत बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। बिहान योजना के माध्यम से मिले अवसर और महतारी वंदन योजना से प्राप्त आर्थिक संबल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ ही आत्मनिर्भरता की नई राह भी तैयार कर रहे हैं।

जीवन-गुणवत्ता बेहतर करने के लिए रोजमर्रा के इनोवेशन जरूरी हैं

हममें से कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि आज भी हमारे देश में खाने की मिलावट एक गंभीर समस्या है। वरना पूरे भारत में लोग महाराष्ट्र के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) कमिश्नर तुकाराम मुंढे की चर्चा नहीं कर रहे होते, जिन्होंने फिर देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

असल जिंदगी के सिंघम कहे जाने वाले मुंढे ने अपनी दो दशक की सेवा में 25 तबादले झेले हैं। उन्होंने मई 2026 में एफडीए में कामकाज संभाला और जल्द ही पूरे राज्य में खान-पान की जगहों और खाद्य निर्माताओं के यहां हाई-प्रोफाइल छापेमारी कर अपनी मौजूदगी का अहसास करा दिया।

उनका फोकस साफ था- मिलावटी खाना और अस्वच्छ तरीकों का पर्दाफाश करना। उनकी कार्रवाई ने कई बड़े क्लबों को अपने ड्रॉइंग रूम में लौटकर फूड-हाइजीन से जुड़े तौर-तरीकों को रिव्यू करने और उन्हें बेहतर बनाने को मजबूर कर दिया।

मेरे लिए मिलावट एक और अवसर पेश करती है। कल्पना कीजिए, यदि कोई 500-1000 रुपए तक का फूड-टेस्टिंग डिवाइस बना दे। स्मार्टफोन से जुड़ा एक छोटा-सा रीडर, जो डिस्पोजेबल स्ट्रिप्स या सेंसर की मदद से खाने की कुछ चुनिंदा खासियतों की जांच कर सके और सिर्फ इतना बताए कि 'संभावित मिलावट का पता चला, लैब कन्फर्मेशन जरूरी है।'

यह भविष्य का कदम हो सकता है। यहां 'संभावित' शब्द अहम है। ऐसा डिवाइस स्क्रीनिंग टूल होना चाहिए, न कि गलत तरीके से खुद को ही लैब बताए। इसी तकनीक का इस्तेमाल स्कूल, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, फूड मार्केट और नगर निकाय भी कर सकते हैं।

मैं आज रोजमर्रा के इनोवेशन की बात इसलिए कर रहा हूं, क्योंकि इसी हफ्ते मुझे पता चला कि लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल में इमरजेंसी मेडिसिन एंड ट्रॉमा केयर के डायरेक्टर डॉ. लोकेन्द्र गुप्ता के नेतृत्व वाली इमरजेंसी फिजिशियनों की टीम को पेटेंट ऑफिस से एक इंटीग्रेटेड इमरजेंसी ट्रांसपोर्ट स्ट्रेचर के लिए डिजाइन रजिस्ट्रेशन मिला है।

इस स्ट्रेचर का उद्देश्य गंभीर मरीजों को अस्पताल में एक से दूसरी जगह ले जाते समय उनकी देखभाल को बेहतर बनाना है। इस इनोवेशन की शुरुआत किसी लैब में नहीं, बल्कि डॉक्टरों द्वारा देखी गई एक समस्या से हुई- क्या होगा यदि किसी मरीज को ले जाते वक्त सीपीआर की जरूरत पड़ जाए?

इसी फेल्योर पॉइंट को ध्यान में रख कर टीम ने डिजाइन तैयार किया। इस स्ट्रेचर को छह मोड में कॉन्फिगर किया जा सकता है, जिसमें आईसीयू, इमरजेंसी/सीपीआर, रेडियोलॉजी, सर्जिकल प्रोसिजर, चेयर और ट्रांसपोर्ट मोड शामिल हैं।

इसमें एक्सपेंडेबल सीपीआर प्लेटफॉर्म, इंटीग्रेटेड पेशेंट मॉनिटरिंग सिस्टम, ऑक्सीजन और सक्शन एक्सेस, इमरजेंसी स्टोरेज, सेफ्टी हार्नेस, रेडियोलुसेंट इमेजिंग कैपेबिलिटी, चार यूटिलिटी पोर्ट्स, हाइट एडजस्टमेंट और बैटरी बैकअप जैसी सुविधाए हैं।

टीम के मुताबिक, इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गंभीर मरीजों को अस्पताल में इधर-उधर ले जाते वक्त भी इमरजेंसी और क्रिटिकल केयर की सुविधाएं निर्बाध रूप से मिलती रहें। इस इनोवेशन को देखभाल में रुकावट के बजाय इलाज की निरंतरता के तौर पर देखा जाना चाहिए। डिजाइन रजिस्ट्रेशन के बाद अब टीम संभावित क्लिनिकल यूज के लिए इंजीनियरिंग डेवलपमेंट, टेस्टिंग और प्रमाणीकरण की योजना बना रही है।

इसलिए फूड सेफ्टी समस्या का आधा ही हिस्सा है, दूसरा हिस्सा खाद्य पदार्थों की खराबी है। आईसीएआर का अनुमान है कि भारत में फसल कटाई के बाद लगभग 6-18% तक खराबी होती है। जबकि देश में सालाना 315 मिलियन टन से ज्यादा फल-सब्जी पैदा होती है। इसका मतलब है कि इनोवेशन की जरूरत सिर्फ पैदावार में ही नहीं, बल्कि खाने के खेत से प्लेट तक पहुंचने के बीच भी है।

एक आइडिया इंटेलिजेंट प्रोड्यूस क्रेट का है। साधारण क्रेट की जगह ऐसा क्रेट, जिसमें लगे किफायती सेंसर तापमान, नमी, कंपन, ट्रांजिट की अवधि और चुनिंदा पैदावार के लिए एथिलीन स्तर की निगरानी करें। आखिर में ऐसी चेतावनी दे सकें कि 'टमाटर जल्दी खराब होने वाला है।'

टेक्नोलॉजी स्टूडेंट्स के पास ऐसे व्यावहारिक अविष्कार करने का बड़ा अवसर है, जो मौतों को रोकें, जीवन गुणवत्ता बनाए रखें, खाना सुरक्षित रखें और हर उम्र के लोगों के लिए रोजमर्रा की व्यवस्थाओं को सुरक्षित बनाएं। उनके इनोवेशन का मकसद हमेशा सुरक्षा ही नहीं होना चाहिए। यह किसी बुजुर्ग या दिव्यांग व्यक्ति की गरिमा, किसी का समय या पैसा और सबसे बढ़कर सुविधा जैसा क्षेत्र हो सकता है।

साधु को धन का प्रयोग करते समय सावधान रहना होगा

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

धन जीवन की अनेक आवश्यकताओं को पूरा करने का साधन है, लेकिन जब धन का संबंध धर्म और सेवा से जुड़ता है, तब उसकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। चुनावों में धन के बेहिसाब इस्तेमाल की चर्चा अक्सर होती है, लेकिन जब मंदिरों और धार्मिक संस्थाओं के धन के उपयोग को लेकर पारदर्शिता पर सवाल उठने लगें, तो चिंता होना स्वाभाविक है। आज के समय में धार्मिक गतिविधियों के संचालन में भी धन की भूमिका बढ़ गई है। ऐसे में साधु-संतों और धार्मिक संस्थाओं से जुड़े लोगों को धन के उपयोग में विशेष सावधानी, संयम और पारदर्शिता बरतनी चाहिए। दार्शनिक दृष्टि से संत का जीवन व्यक्तिगत लाभ और स्वार्थ से ऊपर माना जाता है। संत का उद्देश्य समाज में सेवा, सदाचार और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ाना होता है। इसलिए धन उनके लिए साध्य नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम होना चाहिए। महात्माओं के जीवन का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत माना जाता है—**कुछ आप करें और कुछ होने दें।** अर्थात जहां हमारा पुरुषार्थ आवश्यक है, वहां पूरी निष्ठा से प्रयास करें और जहां परिस्थितियां हमारे नियंत्रण से बाहर हों, वहां धैर्य रखते हुए परिणाम को स्वीकार करें।

रामायण का प्रसंग भी हमें इसी भाव की प्रेरणा देता है। राम मंदिर के निर्माण जैसे बड़े धार्मिक कार्यों में अनेक लोगों ने अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार योगदान दिया। लेकिन जीवन में जब अच्छे कार्यों के बीच बाधाएं और विरोध सामने आएं, तब व्यक्ति को अपने उद्देश्य से विचलित नहीं होना चाहिए।

हनुमान जी को साहस, सेवा, निष्ठा और आत्मविश्वास का प्रतीक माना जाता है। इसलिए जब जीवन में ऐसा कठिन समय आए, जब व्यक्ति ने कोई गलत कार्य न किया हो, फिर भी उसके ऊपर अपयश या आरोप का कलंक लग जाए, तब घबराने के बजाय आत्मबल बनाए रखना चाहिए। हनुमान चालीसा की प्रत्येक पंक्ति को श्रद्धालु आध्यात्मिक शक्ति और प्रेरणा का स्रोत मानते हैं। नियमित पाठ मन में विश्वास, धैर्य और सकारात्मकता पैदा करने में सहायक हो सकता है।

रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम और रिश्ते का पर्व नहीं, बल्कि सुरक्षा, विश्वास और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है। रक्षाबंधन के पूर्व इंदौर में 'एक शाम रिश्तों के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीहनुमान चालीसा के महापाठ का आयोजन इसी भाव को जागृत करने का माध्यम है।

वेलफेयर योजनाएं नौकरियों की जगह नहीं ले सकती हैं

2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान मैं अवध में फील्ड रिसर्च कर रहा था। यह लखनऊ के आसपास का इलाका था। मेरी टीम और मैं एक मध्यम उम्र के कम आय वाले दम्पती से मिले। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी मुफ्त राशन योजना के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि वे भाजपा को वोट देंगे। जैसा कि सभी जानते हैं, भारत में 80 करोड़ लोग गरीब कल्याण अन्न योजना के दायरे में आते हैं। यह देश की कुल आबादी का करीब 60 प्रतिशत है।

इस दम्पती ने यह भी बताया कि राशन की दुकान उन्हें हर महीने उनका पूरा हिस्सा नहीं देती थी- 5 में से सिर्फ 4 किलो देती थी, लेकिन उनके लिए यह पहले से बेहतर था, क्योंकि पहले राशन की दुकान का मालिक इससे भी ज्यादा राशन चोरी कर लेता था। अलबत्ता वे चाहते थे कि हम उनके बेटे से भी बात करें, जो पास के बाजार में एक दुकान पर बैठा था।

इस युवा को पास के शहर रायबरेली के एक कॉलेज से इंजीनियरिंग की डिग्री मिल चुकी थी। उसने कहा कि उसके माता-पिता का विचार सही नहीं था। सरकारी नौकरी के लिए होने वाली परीक्षाओं के पेपर दो बार लीक हो चुके थे और परीक्षाएं नहीं हो सकी थीं। इसी वजह से उसके पास नौकरी नहीं थी, जबकि उसने बहुत मेहनत की थी। उसने जोर देकर कहा कि अगर उसके पास नौकरी होती, तो सरकार के राशन की कोई जरूरत ही नहीं होती। तब वह अपने माता-पिता के लिए उनकी जरूरत का भोजन खरीद सकता था। यह बात हाल के उन छात्र-प्रदर्शनों पर बहुत असर डालती है, जो पेपर लीक के कारण शुरू हुए थे। भारत के युवा सरकारी राशन लेते रहने के बजाय नौकरी करना ज्यादा पसंद करेंगे। सत्ता में आने के लिए सरकार ने सब्सिडी पर ज्यादा भरोसा किया है; उसने पर्याप्त रोजगार पैदा नहीं किए हैं। इन प्रदर्शनों के साथ शायद यह रणनीति अब बेअसर हो गई लगती है।

कल्याणकारी सब्सिडी हमेशा ही नौकरियों की जगह नहीं ले सकती। इन अर्थों में इन प्रदर्शनों का एक पहलू राजनीतिक अर्थव्यवस्था से जुड़ा था और इस पर पर्याप्त चर्चा नहीं हुई है। बीती गर्मियों में अपनी भारत-यात्रा के दौरान मैं पांच हफ्तों से ज्यादा समय तक दिल्ली, चेन्नई और श्री सिटी, बेंगलुरु, मुंबई और पुणे में रहा। मैं जंतर-मंतर से संसद तक मार्च होने से करीब दो हफ्ते पहले दिल्ली पहुंचा था। लेकिन उस मार्च के बाद आया बड़ा बदलाव साफ दिखाई देता है। सार्वजनिक जगहों पर लोग अब ज्यादा खुलकर बोल रहे हैं। मुझे लगता था कि युवाओं के प्रदर्शनों की जमकर आलोचना की जाएगी। उन पर व्यंग्य कसे जाएंगे और उन्हें भारतीय संस्कृति के विरुद्ध बताया जाएगा। कुछ लोगों ने ऐसा किया भी है, लेकिन शीर्ष नेतृत्व के सबसे ऊंचे स्तरों ने इससे बिल्कुल अलग रास्ता अपनाया है। उन्होंने आलोचना करने और नसीहत देने के बजाय मिली-जुली प्रतिक्रिया की रणनीति अपनाई है। उन्होंने युवाओं की चिंताओं को बेहतर तरीके से समझने की इच्छा जताई है। यह समझना आसान है कि भाजपा ने यह रणनीति क्यों अपनाई। वोटिंग के आंकड़ों में इसकी वजह है। लोकनीति के डेटाबेस के अनुसार, सभी उम्र के लोगों में 18-25 साल के लोगों ने 2019 और 2024 में भाजपा को सबसे ज्यादा वोट दिए थे। पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा का राष्ट्रीय औसत वोट करीब 37 प्रतिशत रहा है। इनमें 18-25 साल के लोगों का औसत करीब 40 प्रतिशत रहा है।

इसके बाद 26-35 साल की उम्र के लोग आते हैं। भारत की करीब दो-तिहाई आबादी 35 साल से कम उम्र की है। इसलिए ये आंकड़े भारत के वोटरों के बहुत बड़े हिस्से को दिखाते हैं। जाहिर है कि भाजपा इस समूह को अपने खिलाफ नहीं जाने दे सकती है।

भारत के युवा अब जोर देकर कह रहे हैं कि अगर उसके पास नौकरी होती, तो सरकार के मुफ्त राशन की कोई जरूरत ही नहीं होती। तब वे अपने माता-पिता और परिवार के लिए उनकी जरूरत का पूरा भोजन स्वयं ही खरीद सकते थे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जन्म-मृत्यु के आंकड़े सरकारी डेटाबेस के बहुत काम के होंगे

जन्म-मृत्यु पंजीकरण कानून, 1969 के लागू होने के पांच दशक से अधिक समय बाद एनडीए सरकार ने इसमें संशोधन किया है। संशोधन के जरिए जन्म और मृत्यु की रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को अधिक सख्त बनाया गया है। संशोधित कानून का उद्देश्य देश में दशकों से व्याप्त गलत या देरी से की गई एंट्री की समस्या को दूर करना है।

जन्म और मृत्यु का समय पर रजिस्ट्रेशन अहम है, क्योंकि यह सरकार और नागरिकों के बीच संस्थागत संपर्क बनाता है। यह जनसांख्यिकीय योजनाएं बनाने में मददगार है। इसके अलावा, सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में भी इनका इस्तेमाल होता है।

इस कानून में यह पहला संशोधन नहीं है। 2023 में भी इसमें संशोधन किया गया था, जिसके जरिए बर्थ सर्टिफिकेट को भारतीयों के लगभग हर पहचान दस्तावेज से जोड़ दिया गया था। इसके अलावा यह जनसंख्या रजिस्टर और मतदाता सूचियां बनाने में भी मददगार रहा।

अब जन्म और मृत्यु के डेटाबेस की मदद से सरकार किसी व्यक्ति के मतदान योग्य होने या पंजीकृत मतदाता की मृत्यु होने पर मतदाता सूची अपडेट कर सकती है। 1969 से पहले सरकार को किसी व्यक्ति के अस्तित्व की जानकारी अलग-अलग प्रशासनिक रिकॉर्डों के माध्यम से मिलती थी, क्योंकि जन्म को दर्ज करने के लिए कोई एक समान नेशनल लीगल फ्रैमवर्क नहीं था।

जन्म-मृत्यु पंजीकरण अधिनियम लागू होने के बाद ऐसा फ्रैमवर्क लागू किया गया और हर जन्म का पंजीकरण अनिवार्य किया गया।

अब जबकि जन्म प्रमाणपत्र काफी अहम हो गया है तो सरकार ने हालिया संशोधन के जरिए देरी से होने वाले जन्म के रजिस्ट्रेशन के लिए अधिक कड़ी जांच की व्यवस्था कर दी है। इसके तहत कई स्तर की जांच के प्रावधान किए गए हैं।

जन्म और मृत्यु का रजिस्ट्रेशन समय से कराया तो सामान्य प्रशासनिक जांच होगी। 21 दिन के बाद और एक वर्ष तक की देरी से कराया तो अधिक कड़ी प्रशासनिक जांच होगी। और कहीं दो साल से अधिक देरी हुई तो रजिस्ट्रेशन कराने के लिए न्यायिक जांच से गुजरना होगा।

हालांकि ये सुधार राज्य मशीनरी की क्षमता बढ़ाने को किए गए हैं, लेकिन इसके कारण उन नागरिकों की पहुंच की क्षमता को लेकर सवाल भी उठते हैं, जो पहले ही कई संस्थागत बाधाओं का सामना कर रहे हैं। सरकार का तर्क है कि फर्जी रजिस्ट्रेशन रोकने और अधिक विश्वसनीय डेटाबेस बनाने के लिए कड़ी जांच जरूरी है।

लेकिन इससे उन लोगों की समस्याएं बढ़ने का खतरा भी है, जिनका जन्म अस्पताल में नहीं हुआ, जो दूरदराज के गांवों में रहते हैं, जिन्हें रजिस्ट्रेशन के बारे में जानकारी नहीं है, जो आर्थिक या सामाजिक रूप से हाशिये पर हैं या जो पलायन करते रहे हैं।

यह इसलिए भी बड़ी चिंता का विषय है, क्योंकि जिन लोगों के बारे में अधिक संभावना यह है कि उनका बर्थ रजिस्टर में रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ होगा या देरी से रजिस्ट्रेशन हुआ होगा, उन्हीं के बारे में सर्वाधिक आशंका यह भी है कि वे कड़ी जांच प्रक्रिया से बाहर निकलने में सबसे कम सक्षम होंगे।

जन्म के रजिस्ट्रेशन का कानून एक प्रकार से प्रशासनिक संघवाद की व्यवस्था मुहैया कराता है, जिसमें केंद्र सरकार एक नेशनल लीगल फ्रैमवर्क तैयार करती है और राज्य सरकारें अपने नियम बनाकर इसे लागू करती हैं। राज्यों के ये नियम रजिस्ट्रेशन फॉर्म, शुल्क आदि को लेकर हो सकते हैं। राज्य सरकारें राज्य को अलग-अलग रजिस्ट्रेशन डिवीजन में बांट कर उनके अलग-अलग नियम भी रख सकती हैं। इससे एक ही राज्य में अलग-अलग नियम होने की गुंजाइश भी बनी रहती है। इसका असर इस बात पर भी पड़ सकता है कि कितने जन्म और मृत्यु आधिकारिक तौर पर सफलतापूर्वक दर्ज हुए।

अब जन्म और मृत्यु के डेटाबेस की मदद से सरकार किसी व्यक्ति के मतदान योग्य होने या पंजीकृत मतदाता की मृत्यु होने पर मतदाता सूची अपडेट कर सकती है। पहले सरकार को किसी व्यक्ति के अस्तित्व की जानकारी अलग-अलग प्रशासनिक रिकॉर्डों से मिलती थी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

कैकेईजी द्वारा दो वरदान मांगने की बात सुनकर भी भगवान राम कैकेईजी की प्रशंसा करते हैं। प्रभु कहते हैं कि कैकेईजी के कार्य पर दृष्टि मत डालिए, उनके कार्य के परिणाम पर दृष्टि डालिए। श्रीराम यदि फलाकांक्षी होते तो कहते कि मेरे प्रति अन्याय हुआ है। पर प्रभु के मन में फलाकांक्षा नहीं है। वे चाहते हैं कि छोटे को फल की प्राप्ति हो, इसलिए भगवान श्रीराघवेंद्र तो प्रसन्न होकर मां को धन्यवाद देते हैं कि मां ! तुमने कितना बड़ा अवसर दिया -

मुनिगन मिलनु बिसेषि बन सबहि भांति हित मोर।
तेहि महँ पितु आयसु बहुरि संमत जननी तोर।।

इसका अभिप्राय है कि श्रीराम अपने चरित्र के द्वारा मानो यह प्रकट करते हैं कि जो व्यक्ति क्रिया में फलाकांक्षारहित होकर प्रविष्ट होता है वह सुखी रहता है। और श्रीभरत ने क्रिया में अनासक्त होकर, फलाकांक्षारहित होकर, तो प्रवेश किया ही, बल्कि धन्य है श्रीभरत ! क्योंकि भगवान श्रीराघवेंद्र तो कैकेईजी से विदा लेकर वन चले गए। कैकेई के दोषों को मिटाने की चिंता भगवान राम ने नहीं की लेकिन कैकेई के दोष को मिटाने का काम श्रीभरत ने किया। अंत में आपको यह संकेत मिलेगा कि कैकेईजी को चित्रकूट में श्रीभरतजी ही लेकर जाते हैं। इसका अभिप्राय है कि संत भरत ने यह बताया कि जब तक क्रिया राम से विमुख करने वाली है तब तक त्याज्य है। परंतु किसी प्रकार इस क्रिया को हम श्रीराम के सम्मुख कर दें।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

हम कब तक स्त्री को ही पुरुषों के फैसलों की जिम्मेदार मानते रहेंगे?

हाल ही में जब अभिनेत्री तृषा को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के स्वतंत्रता दिवस समारोह में देखा गया, तो इसके बाद तूफान खड़ा हो गया। तृषा वहां प्रमुख स्थान पर बैठी थीं और विजय के परिवार के सदस्यों से बातचीत कर रही थीं। इसके बाद तो राजनीतिक तंज, सोशल मीडिया पर अटकलों और- जाहिर है- दोनों के रिश्तों को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू होना ही था। लेकिन सबसे पहले हमें सिर्फ एक सवाल पूछना चाहिए : हर बार स्त्री ही क्यों ऐसी किसी कहानी की पात्र बन जाती है? 'दूसरी औरत' समाज के सबसे पुराने और स्थायी खलचरित्रों में से एक है। उसे ऐसी महिला के रूप में देखा जाता है, जो पुरुष को बहकाती है, घर तोड़ती है, महत्वाकांक्षी है और उस जगह घुसपैठ कर बैठती है, जहां उसका कोई अधिकार नहीं था।

उसने क्या पहना है, वह कहां बैठी है, उसने किसका अभिवादन किया है और कितनी गर्मजोशी से मुस्कराई है- हर चीज का मुआयना किया जाता है। जबकि कहानी के केंद्र में मौजूद पुरुष अकसर 'पैसिव' दिखलाया जाता है- मानो उसके आसपास सब कुछ अपने-आप होता रहा हो।

यह किसी खास रिश्ते का बचाव नहीं है, क्योंकि विजय और तृषा की निजी जिंदगी की सच्चाई गढ़ना हमारा काम नहीं है। पर यह इस बात पर टिप्पणी जरूर है कि किस तरह सार्वजनिक अटकलें बहुत जल्दी महिलाओं पर नैतिक जिम्मेदारी डाल देती हैं, जबकि पुरुष की भूमिका को नजरअंदाज कर दिया जाता है।

अगर ताकतवर पोजिशन पर मौजूद कोई पुरुष किसी महिला को बुलाने, उसे अपने साथ शामिल करने, उससे मित्रता करने या मेलजोल रखने का फैसला करता है, तो वह उसका अपना निर्णय है। अगर उनमें कोई रिश्ता है, तो इस कथानक में भी पुरुष असहाय पात्र नहीं है। वह वयस्क है। उसकी अपनी इच्छा है। वह अपने फैसले खुद लेता है। पर पितृसत्ता महिलाओं को ही एक-दूसरे के खिलाफ खड़ी करना आसान समझती है।

शायद इसलिए कि महत्वाकांक्षी स्त्री आज भी हमें असहज करती है। आकर्षक स्त्री हमें संशय में डालती है। और अगर कोई महिला किसी जगह पर अपनी मौजूदगी के लिए 'अपोलोजेटिक' नहीं है, तो वह देखते ही देखते लोगों के निशाने पर आ सकती है। हम आज भी महिलाओं को मर्यादित, संकोची और नैतिक रूप से आश्वस्त करने वाली ही देखना पसंद करते हैं। अगर वे खूबसूरत, सफल और सत्ता के करीब हों, तो हम उनके दोषी होने के सबूत तलाशने लगते हैं।

हम पुरुष के निर्णयों पर भी इतनी ही शिद्दत से सवाल क्यों नहीं उठाते? आखिर सत्ता में होने भर से व्यक्ति की निर्णय लेने की क्षमता कम नहीं होती; उलटे और बढ़ जाती है। प्रभावशाली पुरुषों को उनके निजी या पेशेवर संबंधों में निष्क्रिय-पक्ष की तरह पेश करना सिर्फ लैंगिक भेदभाव ही नहीं है- यह बेतुका भी है।

सदियों से महिलाएं पुरुषों के फैसलों के परिणाम ढोती आई हैं : पत्नियों से विवाह बचाए रखने की उम्मीद की जाती है, मांओं से परिवार को जोड़े रखने की, बेटियों से परिवार की 'इज्जत' बचाने की और 'दूसरी औरतों' से दोष अपने सिर लेने की। शायद अब इस पटकथा को बदलने का समय आ गया है। इस प्रसंग में फेमिनिस्ट-दृष्टिकोण का प्रश्न सीधा-सरल है : हम महिलाओं को पुरुषों के फैसलों की नैतिक जिम्मेदार मानना कब बंद करेंगे?

जब तक हम ऐसा नहीं करेंगे, हर कथित 'दूसरी औरत' को जनमत की अदालत के कठघरे में खड़ा किया जाता रहेगा- जबकि पुरुष आरामदेह तरीके से दोषारोपण की फ्रेम के बाहर निकल जाएगा!

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

रायपुर स्टेशन पर लगेंगी 6 प्लास्टिक बॉटल क्रशर मशीनें: जल्द शुरू की जाएगी सर्विस, आगे दुर्ग समेत 4 स्टेशनों तक होगा विस्तार

रायपुर। रायपुर रेलवे स्टेशन पर प्लास्टिक कचरे को कम करने के लिए 6 प्लास्टिक बॉटल क्रशर मशीनें लगाई जाएंगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

यात्रियों के इस्तेमाल के बाद फेंकी जाने वाली प्लास्टिक बोतलों को इन मशीनों में तुरंत क्रश किया जा सकेगा। इसके बाद क्रश की गई प्लास्टिक को रीसाइकिल करके दोबारा इस्तेमाल किया जाएगा।

प्लेटफॉर्म पर लगेंगी मशीनें

रायपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्मों पर कुल 6 मशीनें लगाने की योजना है। इसका उद्देश्य स्टेशन परिसर में प्लास्टिक बोतलों को इधर-उधर फेंके जाने से रोकना और कचरे का व्यवस्थित तरीके से निपटारा करना है। यात्रियों को यह सुविधा जल्द मिलना शुरू हो जाएगी।

4 और स्टेशनों पर भी लगेंगी मशीनें

रायपुर के बाद इस सुविधा का विस्तार अन्य प्रमुख स्टेशनों तक किया जाएगा। अगले चरण में दुर्ग, भाटापारा, तिल्दा-नेवरा और भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशनों पर भी प्लास्टिक बॉटल क्रशर मशीनें लगाने की योजना है।

प्लास्टिक बोतलों की होगी रीसाइक्लिंग

रेलवे के मुताबिक मशीनों से प्लास्टिक बोतलों का संग्रहण और क्रशिंग आसान होगा। इसके बाद प्लास्टिक को रीसाइकिल कर उपयोगी संसाधन में बदला जाएगा। इससे स्टेशन की सफाई बनाए रखने के साथ प्लास्टिक कचरे से पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी।

रेल मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि वे प्लास्टिक बोतल और अन्य कचरा निर्धारित जगह पर ही डालें और उपलब्ध होने के बाद क्रशर मशीनों का इस्तेमाल करें। रेलवे का कहना है कि यह पहल स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रयासों को मजबूत करेगी।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

राखी के धागे में विश्वास अपार, बहनों के साथ विष्णु भैया की सरकार

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त ने रायगढ़ जिले की 2 लाख 94 हजार से अधिक माताओं-बहनों की खुशियां बढ़ा दी हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बालोद जिले के डौंडीलोहारा में आयोजित महतारी वंदन सम्मान समारोह से प्रदेश की 67 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में 631 करोड़ 38 लाख रुपये से अधिक की राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री द्वारा राशि अंतरण करते ही हितग्राही महिलाओं के मोबाइल पर खाते में राशि पहुंचने के संदेश गूंजने लगे। रायगढ़ जिले में ई-केवाईसी पूर्ण कर चुकी 2 लाख 94 हजार 773 महिलाओं के खातों में 27 करोड़ 4 लाख 49 हजार रुपये की राशि अंतरित की गई। रक्षाबंधन से ठीक पहले मिली इस आर्थिक सहायता से महिलाएं पर्व की तैयारियों और घरेलू आवश्यकताओं को अपनी जरूरत के अनुसार पूरा कर सकेंगी। उनके लिए यह राशि आर्थिक सहयोग के साथ सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का आधार भी बनी है।

'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से माताओं को मिल रहा आर्थिक संबल, सुरक्षित मातृत्व को मिल रही मजबूती'

रायपुर। गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और मातृत्व संबंधी आवश्यकताओं के लिए आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना प्रदेश में माताओं के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक संबल बन रही है। योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और पात्र महिलाओं तक इसका लाभ पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

रायगढ़ जिले में वर्ष 2023-24 से अब तक 27 हजार 49 महिलाएं योजना से लाभान्वित हो चुकी हैं। वहीं वर्ष 2026-27 में 18 अगस्त 2026 तक 4 हजार 432 नई महिलाओं को योजना से जोड़ा गया है। इनमें प्रथम संतान वाली 3 हजार 324 तथा द्वितीय संतान बालिका वाली 1 हजार 108 महिलाएं शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत प्रथम जीवित संतान के लिए कुल 5 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। इसमें पहली किस्त के रूप में 3 हजार और दूसरी किस्त के रूप में 2 हजार रुपये दिए जाते हैं। वहीं द्वितीय संतान बालिका होने पर एकमुश्त 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता का प्रावधान है।

योजना का उद्देश्य गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण तथा प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात स्वास्थ्य देखभाल के लिए आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना है। डीबीटी के माध्यम से राशि सीधे बैंक खाते में पहुंचने से योजना में पारदर्शिता के साथ लाभार्थियों को समय पर आर्थिक सहायता मिल रही है।

वर्ष 2026-27 में 18 अगस्त तक रायगढ़ जिले में 4,432 महिलाओं की नई एंट्री हुई है। परियोजनावार आंकड़ों के अनुसार खरसिया में सर्वाधिक 607 महिलाओं को जोड़ा गया है। इसके बाद रायगढ़ ग्रामीण में 600, धरमजयगढ़ में 528, रायगढ़ शहरी में 500, पुसौर में 495, तमनार में 457, कापू में 378, घरघोड़ा में 342, लैलूंगा में 288 और मुकडेगा में 237 महिलाओं का पंजीयन किया गया है।

जिले में योजना को लेकर गर्भवती एवं धात्री महिलाओं में उत्साह देखा जा रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और मैदानी अमले के माध्यम से पात्र महिलाओं को योजना की जानकारी देने, पंजीयन कराने और आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी करने में सहयोग किया जा रहा है।

निर्धारित पात्रता के अनुसार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिलाएं, 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाली महिलाएं, गरीबी रेखा से नीचे राशन कार्ड धारक, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की लाभार्थी, ई-श्रम कार्ड धारक, किसान सम्मान निधि की लाभार्थी महिला किसान, मनरेगा जॉब कार्ड धारक, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के राशन कार्ड धारक तथा 8 लाख रुपये तक वार्षिक आय वाली महिलाएं योजना का लाभ ले सकती हैं।

इसके अतिरिक्त पात्रता शर्तों के अनुसार गर्भवती एवं धात्री आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सहायिका और आशा कार्यकर्ता भी योजना का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

'पंजीयन के लिए जरूरी दस्तावेज'

योजना का लाभ लेने के लिए आधार कार्ड अथवा आधार संख्या, आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर, माता एवं शिशु सुरक्षा कार्ड, बैंक खाते की जानकारी तथा निर्धारित स्वास्थ्य संबंधी दस्तावेज आवश्यक होते हैं। पात्रता के अनुसार राशन कार्ड, ई-श्रम कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, किसान सम्मान निधि प्रमाण, जाति प्रमाण पत्र, दिव्यांगता प्रमाण पत्र अथवा आय प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज भी प्रस्तुत करने पड़ सकते हैं।

प्रथम संतान के लिए निर्धारित किस्तों के अनुसार प्रसव पूर्व जांच, बच्चे के जन्म तथा 14 सप्ताह तक के टीकाकरण से संबंधित जानकारी एवं दस्तावेज की आवश्यकता होती है। द्वितीय संतान बालिका होने की स्थिति में भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत जन्म एवं टीकाकरण संबंधी विवरण प्रस्तुत करना आवश्यक है। लाभार्थी का आधार आधारित भुगतान और चेहरा पहचान सत्यापन भी योजना की प्रक्रिया का हिस्सा है।

रायपुर की सरकारी दुकान से 16 लाख का राशन गायबःफूड अधिकारियों की शिकायत पर दुकानदार पर केस दर्ज, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर की सरकारी राशन दुकान से करीब 16 लाख रुपए के राशन के गबन का मामला सामने आया है। जोरा वार्ड क्रमांक 51 की राशन दुकान (आईडी 442001026) की जांच के दौरान बड़ी मात्रा में चावल का स्टॉक कम मिला।

खाद्य विभाग की शिकायत पर पुलिस ने दुकान संचालक टोपेश्वर साहू (27) के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

खाद्य विभाग ने 29 अक्टूबर 2025 को राशन दुकान का निरीक्षण किया था। इस दौरान कई हितग्राहियों ने शिकायत की कि उन्हें अक्टूबर महीने का पीडीएस चावल और शक्कर नहीं मिला है।

जांच के दौरान दुकान में करीब 265 राशन कार्ड मिले। आरोप है कि दुकान संचालक ने हितग्राहियों से राशन कार्ड जमा कराए और ई-पॉस मशीन में उनका बायोमेट्रिक सत्यापन भी कराया। इसके बाद उन्हें न तो राशन दिया गया और न ही राशन कार्ड वापस किए गए।

जांच में करीब 250 राशन कार्ड की एंट्री ई-पॉस मशीन में मिली, लेकिन इन हितग्राहियों को चावल नहीं दिया गया था। जांच में कुल 81.07 क्विंटल चावल के गबन की बात सामने आई।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को दी सख्त हिदायतः पेंडिंग मामलों का जल्द करें निराकरण

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने सभी विभागों को लंबित मामलों का जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग लोक सेवा गारंटी अधिनियम का पालन करें। तय समय में काम पूरा नहीं करने पर संबंधित विभाग के खिलाफ कार्रवाई और जुर्माना लगाया जाएगा।

कलेक्टर ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए आरबीसी 6(4) के सभी लंबित मामलों का जल्द निराकरण करने को कहा। इसके साथ ही अविवादित खाता विभाजन और नामांतरण के दर्ज मामलों पर भी समय पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आम लोगों से जुड़े राजस्व मामलों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए।

बैठक में प्रोजेक्ट पुनर्जीवन की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि हर विभाग अपनी एक टीम बनाए और अपने आसपास लगे पौधों के कांक्रीट या जालीदार घेराव को हटाए। इससे पौधों को पर्याप्त जगह मिलेगी और उन्हें दोबारा बेहतर तरीके से बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने इसे विभागों की जिम्मेदारी के रूप में पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में डिजिटल क्रॉप सर्वे, बकेटिंग, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फार्मर आईडी सहित अन्य कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को इन कामों को समय पर पूरा करने और लंबित मामलों का जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, डीएफओ पंकज राजपूत, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, एडीएम उमाशंकर बंदे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कृषि विश्वविद्याल यःजांच समिति ने की तीसरे पेपर लीक की पुष्टि; पुलिस को सौंपी शिकायत

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी) में लगातार तीसरे पेपर लीक की पुष्टि हुई है। इस बार बीएससी कृषि प्रथम वर्ष के दूसरे सेमेस्टर का 'फंडामेंटल्स ऑफ जेनेटिक्स' का प्रश्नपत्र लीक हुआ।

विश्वविद्यालय की पांच सदस्यीय जांच समिति को भारतीय कृषि महाविद्यालय से लौटे प्रश्नपत्र के लिफाफे में छेड़छाड़ मिली है। इसका तरीका पहले लीक हुए पेपरों जैसा ही है। इससे परीक्षा केंद्र के भीतर लिफाफा सावधानी से खोलकर प्रश्नपत्र निकालने के संकेत मिले हैं।

जेनेटिक्स की परीक्षा 19 अगस्त को होनी थी, लेकिन प्रश्नपत्र करीब 5 से 6 घंटे पहले ही सुबह 4 से 5 बजे के बीच उत्तरों सहित सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। जांच समिति की रिपोर्ट के बाद परीक्षा नियंत्रक ने तेलीबांधा थाना प्रभारी को पत्र लिखकर इस मामले को पहले से चल रही पेपर लीक की जांच में शामिल करने को कहा है।

पहले दो पेपर भी हुए थे लीक

कीट विज्ञानः परीक्षा से करीब दो घंटे पहले प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद परीक्षा निरस्त कर दी गई। पुलिस ने एक प्रोफेसर सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्लांट पैथोलॉजीः पुलिस जांच में सामने आया कि पहले गिरफ्तार आरोपियों ने ही पैसे लेकर यह प्रश्नपत्र भी लीक किया था। लीक होने के कारण निरस्त परीक्षाएं अब सितंबर के पहले सप्ताह में दोबारा आयोजित की जाएंगी।

आरोपियों से होगी पूछताछ

सिविल लाइन एसीपी रमाकांत साहू ने बताया कि विश्वविद्यालय से जेनेटिक्स का पेपर लीक होने की शिकायत मिली है। मामले की जांच की जा रही है। पहले गिरफ्तार प्रोफेसर और अन्य आरोपियों से पूछताछ के लिए कोर्ट से रिमांड मांगी जाएगी। पूछताछ में इस मामले से जुड़ी जानकारी नहीं मिलने पर अलग एफआईआर दर्ज की जाएगी।

रक्षाबंधन पर आज से चलेगी स्पेशल ट्रेनः रायपुर-बिलासपुर, रायगढ़ और दुर्ग के यात्रियों को मिलेगी सुविधा; 27 से 29 अगस्त तक लगाएगी तीन-तीन फेरे

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यानी बिलासपुर रेलवे ने रक्षाबंधन पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दुर्ग-रायगढ़-दुर्ग के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन 27, 28 और 29 अगस्त को दोनों दिशाओं में 3-3 फेरे लगाएगी। सभी मध्यवर्ती स्टेशनों पर ट्रेन का ठहराव रहेगा। इससे रक्षाबंधन पर्व पर यात्रा करने वाले भाई-बहनों को आने-जाने में सुविधा होगी।

रेलवे अफसरों के मुताबिक, भाई-बहन के स्नेह और विश्वास के पर्व रक्षाबंधन पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। ट्रेन चलने से रक्षाबंधन पर परिवार और प्रियजनों से मिलने जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी।

27 से 29 अगस्त तक चलेगी रक्षाबंधन स्पेशल ट्रेन

गाड़ी संख्या 08834 दुर्ग-रायगढ़ रक्षाबंधन स्पेशल 27, 28 और 29 अगस्त को दुर्ग से रायगढ़ के लिए चलेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 08833 रायगढ़-दुर्ग रक्षाबंधन स्पेशल 27, 28 और 29 अगस्त को रायगढ़ से दुर्ग के लिए चलेगी। इस स्पेशल ट्रेन का दुर्ग-रायगढ़-दुर्ग के सभी मध्यवर्ती स्टेशनों पर ठहराव रहेगा। इससे सभी स्टेशनों के यात्रियों को यात्रा की सुविधा मिलेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 8 सामान्य श्रेणी के कोच और 2 एसएलआरडी कोच सहित कुल 10 कोच रहेंगे। गाड़ी संख्या 08834 दुर्ग-रायगढ़ रक्षाबंधन स्पेशल 27, 28 और 29 अगस्त 2026 को दुर्ग से सुबह 10.30 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन मार्ग के सभी मध्यवर्ती स्टेशनों पर रुकते हुए बिलासपुर 14.45 बजे, अकलतरा 15.27 बजे, जांजगीर-नैला 15.44 बजे, चांपा 15.55 बजे, बाराद्वार 16.13 बजे, सक्ती 16.59 बजे और खरसिया 17.16 बजे पहुंचेगी। इसके बाद रायगढ़ 19.00 बजे पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 08833 रायगढ़-दुर्ग रक्षाबंधन स्पेशल 27, 28 और 29 अगस्त को रायगढ़ से शाम 19.40 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन मार्ग के सभी मध्यवर्ती स्टेशनों पर रुकते हुए खरसिया 20.13 बजे, सक्ती 20.30 बजे, बाराद्वार 20.43 बजे, चांपा 21.00 बजे, जांजगीर-नैला 21.12 बजे, अकलतरा 21.25 बजे और बिलासपुर 22.20 बजे पहुंचेगी। इसके बाद अगले दिन दुर्ग 2.00 बजे पहुंचेगी।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। मानसिक तनाव बढ़ने से कामकाज में थोड़ी बेचैनी महसूस हो सकती है। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय को जल्दबाजी में लेने के बजाय उसके सभी पहलुओं पर विचार करें। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाए रखना आपके लिए लाभदायक रहेगा। अनावश्यक विवाद या बहस में पड़ने से बचें। आर्थिक मामलों में जोखिम लेने से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना उचित रहेगा।

वृषभ। आर्थिक मामलों में आज विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। किसी नए निवेश या बड़े वित्तीय सौदे में पैसा लगाने से पहले उसके फायदे और नुकसान को अच्छी तरह समझें। विशेषज्ञ या अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके लिए उपयोगी साबित हो सकती है। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा।

मिथुन। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने के योग हैं और आपकी मेहनत की सराहना हो सकती है। कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर उसे आत्मविश्वास के साथ पूरा करें। व्यापार से जुड़े लोगों को नए संपर्कों से लाभ मिल सकता है। हालांकि स्वास्थ्य के मामले में थोड़ी सावधानी आवश्यक रहेगी। खान-पान में लापरवाही करने से पेट या पाचन संबंधी परेशानी हो सकती है।

कर्क। आज परिवार का पूरा सहयोग मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। घर के किसी सदस्य की मदद से आपका कोई महत्वपूर्ण काम पूरा हो सकता है। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति में राहत महसूस होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें सफलतापूर्वक संभाल पाएंगे। व्यापारियों को पुराने संपर्कों से लाभ मिल सकता है।

सिंह। आज मान-सम्मान में वृद्धि होने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपके अनुभव और कार्यकुशलता की वरिष्ठ अधिकारी सराहना कर सकते हैं। आपको कोई नई और जिम्मेदारी भरी भूमिका मिल सकती है, जिसे पूरा करने में आपकी नेतृत्व क्षमता काम आएगी। व्यापार में नए अवसर सामने आ सकते हैं। किसी बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ने का मौका मिले तो पूरी जानकारी लेने के बाद निर्णय करें। परिवार में आपकी बात को महत्व मिलेगा।

कन्या। आज खर्चों में बढ़ोतरी होने के कारण बजट प्रभावित हो सकता है। गैरजरूरी वस्तुओं की खरीदारी से बचें और आर्थिक योजनाओं को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाएं। कार्यक्षेत्र में विरोधी आपकी योजनाओं में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए अपने काम से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी हर किसी के साथ साझा न करें। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों के सामने अपनी बात स्पष्ट रूप से रखने का अवसर मिलेगा।

तुला। व्यापार के लिहाज से आज का दिन लाभदायक रह सकता है। पुराने ग्राहकों या व्यावसायिक संपर्कों से कोई अच्छा प्रस्ताव मिलने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को भी कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। यात्रा सफल और लाभदायक रहने के संकेत हैं, विशेषकर काम से जुड़ी यात्रा आपके लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

वृश्चिक। आज मन थोड़ा अशांत रह सकता है और छोटी-छोटी बातों को लेकर चिंता बढ़ सकती है। ऐसे में नकारात्मक विचारों से दूर रहना जरूरी होगा। भगवान का ध्यान, पूजा-पाठ या ध्यान करने से मानसिक शांति मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव बढ़ सकता है, इसलिए प्राथमिकता तय करके काम करें। किसी सहकर्मी की बात को लेकर प्रतिक्रिया देने से पहले अच्छी तरह सोचें। व्यापार में सामान्य स्थिति बनी रहेगी ।

धनु। आज किस्मत का पूरा साथ मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुल सकते हैं और आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी या नया अवसर मिल सकता है। व्यापार में विस्तार की योजना बना रहे हैं तो समय अनुकूल रहेगा, हालांकि निर्णय लेने से पहले पूरी जानकारी अवश्य लें। पुराने संपर्कों से लाभ मिलने की संभावना है। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा और किसी सदस्य से शुभ समाचार मिल सकता है।

मकर। आज वाणी पर नियंत्रण रखना आपके लिए बेहद जरूरी होगा। परिवार के किसी सदस्य के साथ छोटी बात को लेकर अनबन हो सकती है, इसलिए बातचीत करते समय शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। कार्यक्षेत्र में भी किसी सहकर्मी से मतभेद होने की संभावना है। विवाद बढ़ाने के बजाय शांत रहकर समाधान निकालना बेहतर रहेगा। व्यापारियों को साझेदारी या लेन-देन से जुड़े मामलों में पारदर्शिता रखनी चाहिए। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्चों से बचना जरूरी है।

कुंभ। आज आपकी राशि में ग्रहण का प्रभाव होने के कारण स्वास्थ्य और आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की सलाह है। किसी भी प्रकार के जोखिम भरे निवेश या बड़े वित्तीय सौदे को फिलहाल टालना बेहतर रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें और बजट के अनुसार ही धन का उपयोग करें। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव रह सकता है, इसलिए अपनी प्राथमिकताएं तय करें। सहकर्मियों के साथ अनावश्यक विवाद से बचें। परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखें।

मीन। आज धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपका मन अधिक लगेगा। पूजा-पाठ, ध्यान या किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने से मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी रचनात्मक सोच की सराहना हो सकती है और किसी नए प्रोजेक्ट में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों को विशेष सफलता और यश मिलने के संकेत हैं। व्यापार में कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है, लेकिन निर्णय लेने से पहले उसकी पूरी जानकारी जरूर लें। परिवार का वातावरण सुखद रहेगा और अपनों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रह सकती है।

झारखंड में रक्षाबंधन पर बारिश का साय

आज 6 जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट, कल 4 जिलों में तेज बारिश-वज्रपात की चेतावनी

रांची। रांची सहित झारखंड के कई हिस्सों में 30 अगस्त तक बारिश का दौर जारी रहने का पूर्वानुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भारी, मध्यम और हल्की बारिश होगी।

आज पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, हजारीबाग और कोडरमा में भारी बारिश की संभावना है। जिसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। रांची समेत अन्य जिलों में बादल छाये रहेंगे। कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 28 अगस्त को चतरा, हजारीबाग, कोडरमा और गिरिडीह में भारी बारिश के साथ वज्रपात की चेतावनी है।

बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भारी, मध्यम और हल्की बारिश होगी।

29 अगस्त को दुमका, देवघर, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में भारी बारिश की संभावना है। 30 और 31 अगस्त को मध्य तथा दक्षिण-पूर्वी झारखंड में भी भारी बारिश हो सकती है।

बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भारी, मध्यम और हल्की बारिश होगी।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, इस समय तीन मौसम प्रणालियां एक साथ प्रभावी हैं, जिसके कारण झारखंड में बारिश हो रही है। दक्षिण उत्तर प्रदेश और उससे सटे उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश के ऊपर निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके साथ ही मानसून ट्रफ लाइन रांची और दीघा होते हुए सीधे बंगाल की खाड़ी तक गुजर रही है।

इसके अलावा मध्य प्रदेश से बंगाल की खाड़ी तक एक अन्य ट्रफ लाइन भी बनी हुई है। इन तीनों प्रणालियों के एक साथ सक्रिय रहने से राज्य में बारिश का प्रभाव बना हुआ है। मौसम विभाग की सैटेलाइट इमेज में भी पूरा झारखंड बादलों से घिरा दिखाई दे रहा है।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, इस समय तीन मौसम प्रणालियां एक साथ प्रभावी हैं, जिसके कारण झारखंड में बारिश हो रही है।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, इस समय तीन मौसम प्रणालियां एक साथ प्रभावी हैं, जिसके कारण झारखंड में बारिश हो रही है। बुधवार को रांची में दिनभर घने बादल छाये रहे और छिटपुट बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश जमशेदपुर में 65 मिमी दर्ज की गयी। बोकारो में 45 मिमी और रांची में दो मिमी बारिश रिकॉर्ड की गयी। रक्षाबंधन के दिन शुक्रवार को भी राज्य के कई हिस्सों में बारिश होने के आसार हैं। रांची में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है।

झारखंड में 5 दिन के मौसम का हाल

- 27 अगस्त: पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, हजारीबाग और कोडरमा में भारी बारिश होगी।
- 28 अगस्त: चतरा, हजारीबाग, कोडरमा व गिरिडीह में भारी बारिश व वज्रपात की चेतावनी जारी।
- 29 अगस्त: दुमका, देवघर, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, पूर्वी-पश्चिमी सिंहभूम व सरायकेला में भारी बारिश की संभावना।
- 30-31 अगस्त: मध्य, दक्षिण-पूर्वी झारखंड के भारी बारिश संभव।

पलामू में पुल के अभाव में अस्पताल नहीं पहुंचा मरीजः उफनाए नाले ने रोका मरीज का रास्ता

पलामू। लगातार हो रही बारिश की वजह से पलामू जिले के घासीदाग पंचायत की दो बस्तियां जानकीनगर और हथगड़वा टापू में तब्दील हो गई हैं। पहाड़ी नालों और धूरिया नदी में उफान के कारण करीब सौ घरों की आबादी का मुख्यालय से संपर्क लगभग कट गया है।

नदी में 10 से 15 फीट तक पानी भर गया है। तेज बहाव के कारण लोगों का आवागमन बंद है। धूरिया नदी पर पुल नहीं होने से ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ गई है। रोजमर्रा के सामान लाने से लेकर मरीजों को अस्पताल पहुंचाने तक के लिए ग्रामीणों को जान जोखिम में डालना पड़ रहा है। जानकीनगर निवासी अखिलेश राम का बेटा राकेश कुमार पिछले तीन दिनों से तेज बुखार से पीड़ित है। बुधवार को उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर परिजन उसे डोली-खटोली पर कंधे के सहारे नदी पार कराकर पांडू अस्पताल ले जाने के लिए निकले।

लेकिन धूरिया नदी के बीच पहुंचते ही तेज बहाव और गहरे पानी ने उनका रास्ता रोक दिया। पानी की स्थिति को देखते हुए परिजनों को मजबूर होकर वापस लौटना पड़ा। अस्पताल नहीं पहुंचा पाने के कारण अब युवक का गांव में ही इलाज कराने को परिवार विवश है।

ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दिनों में नदी पार करना हमेशा जानलेवा जोखिम बन जाता है। पुल नहीं होने के कारण आपात स्थिति में मरीजों को समय पर इलाज मिलना भी मुश्किल हो जाता है।

पुल निर्माण के लिए फंड की कमी

जिला परिषद सदस्य विजय रविदास ने धूरिया नदी पर पुलिया नहीं बनने के लिए जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि वर्षों से ग्रामीण इस समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक पुल नहीं बन सका।

वही विधायक नरेश प्रसाद सिंह ने कहा कि धूरिया नदी पर पुल निर्माण के लिए डीएमएफटी फंड पर्याप्त नहीं है। इसके लिए विभागीय फंड की व्यवस्था करनी होगी। इसमें समय लगेगा। उन्होंने लोगों की परेशानी दूर करने के लिए प्रयास करने की बात कही।

ग्रामीणों ने बताया कि सबसे नजदीकी बाजार और जरूरी सामान के लिए उन्हें करीब सात किलोमीटर दूर कजस्कला जाना पड़ता है। सामान्य दिनों में कच्चे रास्ते से वहां पहुंचकर राशन, दवा और अन्य जरूरी सामान लाते हैं, लेकिन बारिश के बाद नदी-नालों के उफान ने यह रास्ता भी बंद कर दिया है। ऐसे में करीब सौ घरों के लोगों के सामने राशन, दवा और इलाज तक का संकट खड़ा हो गया है।

देवघर एयरपोर्ट से सावन में 20,576 यात्रियों ने भरी उड़ानः 219 फेरों का बन सकता है रिकॉर्ड

रांची। सावन में देवघर की हवाई कनेक्टिविटी काफी मजबूत हुई है। पूर्वोत्तर को जोड़ते हुए गुवाहाटी के लिए शुरू हुई सीधी उड़ान के अलावा दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु से सीधी उड़ानों का लाभ श्रद्धालुओं को मिल रहा है। सावन में 23 अगस्त तक देवघर एयरपोर्ट पर कुल 20,576 यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई। इनमें 9,777 यात्री देवघर पहुंचे, जबकि 10,799 यात्रियों ने यहां से प्रस्थान किया।

विमानन अधिकारियों का अनुमान है कि सावन के अंतिम पांच दिनों में लगभग 5,000 और यात्री जुड़ेंगे, जिससे यह आंकड़ा पिछले साल के कुल 25,412 यात्रियों के बेहद करीब पहुंच जाएगा। उड़ानों की बात करें तो 23 अगस्त तक विमानों ने 184 फेरे लगाए हैं। अंतिम पांच दिनों में 35 अतिरिक्त उड़ानों के साथ कुल फेरे 219 तक पहुंचने की संभावना है, जो पिछले साल के 206 फेरों के रिकॉर्ड को पार कर जाएगा।

पिछले सावन की तुलना में इस बार रूट चार्ट में बदलाव हुआ है। इस साल कोलकाता रूट हटा है, लेकिन गुवाहाटी के जुड़ने से पूर्वोत्तर सीधे कनेक्ट हुआ है। वर्तमान में दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और गुवाहाटी की सीधी सेवाएं हैं। आंकड़ों के मुताबिक, सबसे अधिक यात्री दिल्ली से पहुंच रहे हैं। इसके बाद असम, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के श्रद्धालुओं की संख्या सबसे अधिक है।

यात्री सुविधाओं में इजाफा

फ्री वाईफाई व वर्क स्टेशन की व्यवस्था। यात्रियों और बच्चों के लिए 'फ्लाईब्रेरी' (लाइब्रेरी) और समर्पित किड्स जोन। थकान दूर करने के लिए विशेष मसाज चेयर।

गिरिडीह में रक्षा बंधन पर मिठाई बाजार तैयार : दुकानों में बढ़ी रौनक, सजीं कई वैरायटी; मिठाइयों के साथ आकर्षक पैकिंग की भी व्यवस्था

गिरिडीह। गिरिडीह शहर का मिठाई बाजार रक्षा बंधन पर्व के लिए सजकर तैयार है। भाई-बहन के इस विशेष त्योहार को लेकर मिठाई की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है।

दुकानदारों ने त्योहार को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार की मिठाइयों के साथ आकर्षक पैकिंग की भी व्यवस्था की है। लोग विशेष रूप से राखी के साथ मिठाई खरीदने पहुंच रहे हैं।

शहर की विभिन्न मिठाई दुकानों में मिठाइयों के आकार और वजन के अनुसार प्रति पीस कीमत में थोड़ा अंतर देखा जा रहा है। मिठाई दुकानदारों ने बताया कि रक्षा बंधन के दौरान मिठाइयों की मांग सामान्य दिनों की तुलना में काफी बढ़ जाती है।

ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए दुकानों में कई तरह की मिठाइयां उपलब्ध कराई गई हैं। अन्नपूर्णा स्वीट्स के मैनेजर प्रसून यादव ने जानकारी दी कि रक्षा बंधन के लिए दुकान में मिठाइयों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। ग्राहकों की मांग के अनुसार अलग-अलग वैरायटी उपलब्ध हैं और त्योहार के दौरान बिक्री बढ़ने की उम्मीद है।

सुदर्शन स्वीट्स के संचालक संदीप डंगायच ने बताया कि रक्षा बंधन को लेकर ग्राहकों में उत्साह है। वहीं, नटराज स्वीट्स के संचालक आकाश कुमार गौंड ने बताया कि पर्व को लेकर बाजार में रौनक बढ़ी है और आने वाले दिनों में मिठाइयों की बिक्री में और तेजी की संभावना है।

2 माह से पोर्टल बंदःरांची में 2 माह में 2200 भवनों को वैध करने के आवेदन आए, पास एक भी नहीं

रांची। राज्यभर में बिना नक्शा बने करीब 7 लाख अनधिकृत भवनों को वैध करने की सरकारी योजना अफसरों की लापरवाही की भेंट चढ़ती दिख रही है। आवेदन जमा हुए दो महीने से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन नगर विकास विभाग ने अब तक नक्शा पास करने के लिए कोई स्पष्ट गाइडलाइन जारी नहीं की है। रांची में दो माह के दौरान 2200 भवनों (रांची नगर निगम में 1656 और **RRDA** में 544) तथा अन्य नगर निकायों में 2300 भवनों को मिलाकर राज्यभर से करीब 4500 आवेदन जमा हुए।

विकास विभाग ने आवेदन जमा होने के बाद नक्शा स्वीकृति के लिए गाइडलाइन जारी करने की बात कही थी, लेकिन आवेदन लेने के 2 माह बाद भी विभाग ने अब तक गाइडलाइन जारी नहीं की है। ऐसे में नक्शा नियमित कराने के लिए फीस जमा कर चुके आवेदक अब निगम और **RRDA** के दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। दोनों कार्यालयों में एक ही रटा-रटाया जवाब मिलता है, 'ऊपर से कोई आदेश नहीं आया है।'

ऐसे में आवेदक जब पूछते हैं कि उनके घर का नक्शा पास होगा या नहीं, इस पर भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल रहा है। दूसरी ओर निगम और **RRDA** के अधिकारियों को भी नगर विकास विभाग से कोई स्पष्ट गाइडलाइन नहीं मिली है। इस वजह से वे भी असमंजस की स्थिति में हैं। इस संबंध में दैनिक भास्कर ने नगर विकास के अधिकारी से बात करने का प्रयास किया, लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई।

नगर विकास विभाग के टाउन प्लानर को अवैध भवनों को वैध करने के लिए गाइडलाइन जारी करनी थी। लेकिन नक्शा जमा होने के 60 दिनों बाद भी विभाग स्तर से इस संबंध में नगर निकायों को कोई पत्र नहीं भेजा गया। जबकि, अधिसूचना जारी होने के समय से ही इससे संबंधित सवालों के जवाब आर्किटेक्ट द्वारा पूछे जा रहे थे। नगर निकायों के टाउन प्लानर इस मामले में आर्किटेक्ट को जल्द ही गाइडलाइन मिलने का भरोसा देते रहे, इस इंतजार में काफी आर्किटेक्टों ने आवेदन ही जमा नहीं किया।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

			8					
4				1	5		3	
	2	9		4		5	1	8
	4					1	2	
			6		2			
	3	2					9	
6	9	3		5		8	7	
	5		4	8				1
					3			

पिछले अंक का उत्तर

7	9	5	3	2	8	4	6	1
8	6	4	9	7	1	3	2	5
2	3	1	5	4	6	9	7	8
1	2	3	7	5	4	6	8	9
6	4	9	8	1	3	7	5	2
5	7	8	6	9	2	1	4	3
4	8	7	2	3	9	5	1	6
3	1	2	4	6	5	8	9	7
9	5	6	1	8	7	2	3	4

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

झारखंड में सितंबर-अक्टूबर में 22 ट्रेनें रद्दः 10 का बदला रूट

रांची। चक्रधरपुर रेल मंडल में इंटरलॉकिंग कार्य और मुगमा स्टेशन केरी-मॉडलिंग की वजह से धनबाद होकर चलने वाली 22 ट्रेनें सितंबर व अक्टूबर में अलग-अलग तिथि? को रद्द रहेंगी। वहीं, 10 ट्रेनों को बदले मार्ग से चलाया जाएगा।

इंटरलॉकिंग और रीमॉडलिंग कार्य से धनबाद से होकर बोकारो, मुरी, रांची, टाटा, गोमोह, पारसनाथ, कोडरमा, बिहार के गया और पटना की ओर जाने वाली ट्रेनें मुख्य रूप से प्रभावित होंगी।

अन्य प्रभावित ट्रेनें

13503/13504 वर्द्धमान-हटिया-वर्द्धमान : 24,25, 26 व 27 सितंबर को आसनसोल तक चलेगी।

13351 धनबाद-अल्लेपी 13 अक्टूबर को 2 घंटे लेट खुलेगी।

मोदी बोले- ओलंपिक खेलों में भागीदारी बढ़ानी होगी:अभी से खिलाड़ी तैयार करें; खेलो इंडिया डायलॉग में कहा- युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा प्लेग्राउंड चाहिए

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने गुरुवार को 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही। ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ानी होगी। 2036 ओलंपिक के लिए अभी से खिलाड़ी तैयार करें।

मोदी ने कहा- 15 अगस्त को देश के सामने स्पोर्ट्स विजन रखा। यह सिर्फ मेडल जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित भारत और देश की खेल शक्ति बढ़ाने का अभियान है।

पीएम ने कहा- मैं हमेशा कहता हूं- जो खेले, वो खिले। आज युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए।

नेशनल स्पोर्ट्स डे और मेजर ध्यानचंद पर- 29 अगस्त को नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है। यह महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद करने का दिन है। करीब 100 साल पहले भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड गई थी, जिसमें ध्यानचंद भी शामिल थे। भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को आज और मजबूत किया जा रहा है।

ओलंपिक में नए खेलों पर- देश के हर जिले में खेल प्रतिभाएं हैं। ओलिंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही है, जबकि दूसरे देश मेडल जीत रहे हैं। भारत को नए खेलों में भी आगे बढ़ना होगा। लंबी समुद्री तटरेखा के बावजूद सर्फिंग में भारत अभी पीछे है।

खेलो इंडिया संवाद पर- सरकार मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। खेलो इंडिया संवाद में युवा खेल, गवर्नेंस और विकसित भारत पर सुझाव दे सकेंगे। उनके विचार देश को आगे बढ़ाएंगे।

स्पोर्ट्समैन स्पिरिट पर- स्वस्थ समाज और मजबूत परिवार के लिए स्पोर्ट्समैन स्पिरिट जरूरी है। खेल हमें चैंपियन के साथ बेहतर प्रतियोगी बनना सिखाते हैं। पैरा एथलीट्स की सफलता समाज और परिवारों में नई उम्मीद जगाती है।

शीतल और अवनी लेखरा की उपलब्धि पर- शीतल के आर्चरी मेडल और अवनी लेखरा के दो मेडल ने जम्मू-कश्मीर और देश को गौरवान्वित किया। झंडू कुमार समेत कई पैरा एथलीट प्रेरणा दे रहे हैं। फौजा सिंह ने 100 साल की उम्र के बाद भी फिटनेस की मिसाल पेश की।

स्क्रीन से ज्यादा खेल जरूरी- युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए। हर युवा की भागीदारी भारत की ताकत है। नई तकनीक से खेलों में बदलाव आ रहा है और साइकोलॉजी व न्यूट्रिशन जैसे क्षेत्रों में नए करियर बन रहे हैं। पीएम ने युवाओं से नए अवसर अपनाने और खेलों पर नए विचार देने की अपील की।

खेल मंत्री मांडविया बोले- स्टेडियम ही नहीं लोगों की सोच भी बदली

वहीं, खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि पीएम मोदी ने युवाओं को देश का उज्ज्वल भविष्य बताया है। 12 जनवरी को युवाओं के साथ समय बिताने का असर बजट में भी दिखा, जिसे वित्त मंत्री ने यूथ ड्रिवन बताया।

उन्होने कहा कि आज सबसे बड़ा बदलाव स्टेडियम में नहीं, बल्कि लोगों की सोच में आया है। एक तरफ वे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने तिरंगे को विश्व मंच तक पहुंचाया है। दूसरी तरफ वे खिलाड़ी हैं, जो तिरंगे को पोडियम तक पहुंचाने का सपना देख रहे हैं।

दिग्गज खिलाड़ी भी संवाद में शामिल

कार्यक्रम खेल मंत्रालय के 'खेलो इंडिया संवाद-खेल की बात, क्क के साथ' अभियान के तहत आयोजित किया गया। इसका मकसद युवाओं को भारत की खेल यात्रा से जोड़ना है।

कार्यक्रम में भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा के अलावा मौजूदा और पूर्व खिलाड़ी समेत अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता भी शामिल हुए। इनमें मनिका बत्रा, दीपा करमाकर, साइना नेहवाल, गगन नारंग, श्रीजेश, मैरी कॉम, बाइचुंग भूटिया, पुलेला गोपीचंद, अंजू बॉबी जॉर्ज, कर्णम मल्लेश्वरी और मीराबाई चानू शामिल हैं।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 9 अगस्त को कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मिले थे। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ मुलाकात की रील भी इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। इस बार खिलाड़ियों और युवाओं के साथ संवाद वर्चुअल होगा।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स में 200 अंक की गिरावट, निफ्टी भी 50 अंक नीचे

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में 27 अगस्त को शुरुआती कारोबार में दबाव देखने को मिला। सेंसेक्स 200 अंक से ज्यादा टूटकर करीब 77,200-77,250 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी में भी 50 अंकों से अधिक की गिरावट रही और यह करीब 24,150 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में **FMCG** और मीडिया शेयरों में ज्यादा बिकवाली देखने को मिली। निवेशकों की नजर वैश्विक बाजारों के रुख और घरेलू स्तर पर संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों पर बनी हुई है।

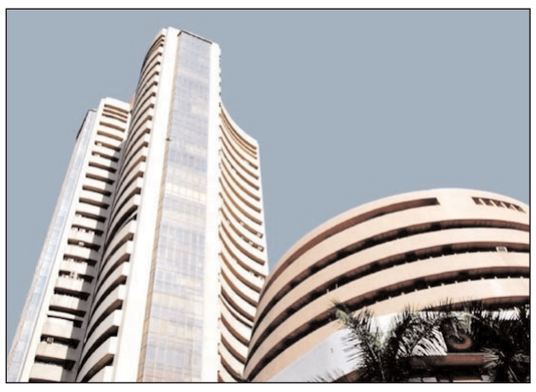

प्राइमरी मार्केट में भी आज से हलचल बढ़ी है। ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज का **IPO** 27 अगस्त से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। कंपनी इस इश्यू के जरिए 700 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। निवेशक इसमें 31 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे।

एशियाई बाजारों में आज कारोबार मिश्रित रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.65% की तेजी में रहा, जबकि जापान के निक्केई में 0.28% की बढ़त दर्ज हुई। दूसरी ओर हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 0.42% नीचे कारोबार करता नजर आया। इससे भारतीय बाजार पर भी वैश्विक संकेतों का असर दिखाई दिया।

बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी जारी है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, घरेलू निवेशकों ने पिछले सात दिनों में 11,273 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं।

रक्षाबंधन से पहले सोना-चांदी के दाम गिरेः सोना 2,860 सस्ता होकर 1.58 लाख पर आया, 1 किलो चांदी की कीमत 2,791 कम हुई

रक्षाबंधन से एक दिन पहले यानी आज 27 अगस्त को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,860 रुपए घटकर 1.58 लाख रुपए हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 2,791 रुपए कम होकर 2.40 लाख रुपए पर आ गई है।

इस साल सोना 25 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 29 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.58 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.40 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- '4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-
1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।
2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।
3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।
4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।
ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

भारत के न्यूजीलैंड दौरे के टिकटों की रिकॉर्ड बिक्रीः पहले 48 घंटे में 26 हजार टिकट बिके, 12 मैचों का दौरा अक्टूबर से

वेलिंगटन। यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा और 1 दिसंबर तक चलेगा। दोनों टीमों के बीच 5 टी-20, 5 वनडे और 2 टेस्ट खेले जाएंगे। भारतीय टीम 2019-20 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज खेलेगी।

ईडन पार्क के व्हाइट-बॉल मैचों की सबसे ज्यादा मांग

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले व्हाइट-बॉल मुकाबलों के टिकट सबसे तेजी से बिक रहे हैं। यहां सीरीज का चौथा टी-20 और पहला वनडे खेला जाएगा।

क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी टिकटों की भारी मांग है। करीब 9 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस मैदान पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुरुआती दो टी-20 मैच 22 और 24 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

इसी मैदान पर दौरे का दूसरा और आखिरी टेस्ट भी खेला जाएगा। यह मुकाबला 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक होगा और इसके टिकटों की बिक्री भी तेजी से हो रही है।

वेलिंगटन में होने वाले मुकाबलों के लिए भी शुरुआती बिक्री मजबूत रही है। हेनरी स्टेडियम में सीरीज का तीसरा टी-20 और दूसरा वनडे खेला जाएगा। वहीं, पहला टेस्ट सेलो बेसिन रिजर्व में 19 नवंबर से शुरू होगा।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के चीफ मार्केटिंग एंड कमर्शियल ऑफिसर ग्लेन क्रिचली ने कहा कि फैंस ने टिकट जल्दी खरीदने की अपील पर अच्छी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पहले दो दिनों में रिकॉर्ड बिक्री से पता चलता है कि बड़ी संख्या में फैंस ने समय रहते अपनी सीट बुक कर ली है।

क्रिचली ने कहा कि न्यूजीलैंड के फैंस के लिए भारत के खिलाफ क्रिकेट मैच का माहौल देखने और दुनिया के बड़े क्रिकेट सितारों को लाइव देखने का यह खास मौका है।

NZC ने इस सीजन टिकटों की कीमत में बढ़ोतरी नहीं की है। बोर्ड के मुताबिक, क्रिकेट नेशन एक्सेस कोड का इस्तेमाल करने पर टिकट 30 न्यूजीलैंड डॉलर से कम में मिल रहा है।

फैंस के लिए 'द फोर' और 'द सिक्स' ग्रुप टिकट पैकेज के साथ-साथ अलग-अलग वेन्यू के टिकट बंडल भी उपलब्ध हैं। इनका उद्देश्य ज्यादा दर्शकों को मैच देखने के लिए आकर्षित करना है।

7 सितंबर से आम दर्शकों के लिए टिकट बिक्री

क्रिकेट नेशन की मेंबर सेल के बाद आम दर्शकों के लिए टिकटों की बिक्री 7 सितंबर से शुरू होगी। हालांकि, जो फैंस क्रिकेट नेशन के लिए साइन अप करेंगे, उन्हें प्री-सेल में पहले टिकट खरीदने का मौका मिलेगा। उन्हें इस दौरान 15% की छूट भी मिलेगी।

पाकिस्तानी मूल के यूएई क्रिकेटर पर 15 महीने का बैन:आसिफ खान डोप टेस्ट में फेल, प्रतिबंधित स्टेरॉयड मिला

पाकिस्तान में जन्मे यूएई के बल्लेबाज आसिफ खान पर 15 महीने का बैन लगा है। वे डोप टेस्ट में फेल हो गए। उनके सैंपल में प्रतिबंधित स्टेरॉयड के सैंपल मिले हैं।

आसिफ के सैंपल में मेस्टेरोलोन का मेटाबोलाइट मिला। मेस्टेरोलोन एक प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड है, जिसका इस्तेमाल टेस्टोस्टेरोन का स्तर बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह टेस्ट 8 सितंबर 2025 को हुआ था।

आसिफ ने नियम तोड़ने की बात मानी

36 साल के क्रिकेटर को **ICC** एंटी-डोपिंग कोड के अनुच्छेद 2.1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। **ICC** ने अपने बयान में कहा है कि आसिफ ने नियम तोड़ने की बात मान ली हैं। उन्होंने वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) और ढ्ढष्टष्ट के साथ केस रिजॉल्यूशन एग्रीमेंट के जरिए सजा स्वीकार की है।

आसिफ पर लगाया गया प्रतिबंध 8 सितंबर 2025 से लागू माना गया है। यह प्रतिबंध इस साल 7 दिसंबर तक चलेगा। **ICC** ने कहा- आसिफ 8 अक्टूबर से किसी टीम के साथ ट्रेनिंग कर सकेंगे। वह किसी क्लब या **ICC** के किसी सदस्य संगठन की सुविधाओं का इस्तेमाल भी कर सकेंगे। हालांकि प्रतियोगी क्रिकेट में उनकी वापसी 8 दिसंबर से ही हो सकेगी।

आसिफ पर 29 दिसंबर 2025 को अस्थायी निलंबन शुरू किया गया था। 8 सितंबर 2025 से अस्थायी निलंबन शुरू होने तक के उनके इंडिविजुअल रिकॉर्ड या अवॉर्ड रद्द कर दिए गए हैं।

भारतीय स्पिनर्स कोलंबो टेस्ट में डाल चुके 10 नो-बॉल:5 साल में दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन, दिनूषा ने की 44 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी

कोलंबो। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट मैच के चौथे दिन काफी मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट गंवा दिए हैं और उसके पास सिर्फ 16 रन की बढ़त है। भारत के तीन स्पिनर्स ने मिलकर इस टेस्ट में अब तक 10 विकेट लिए हैं, लेकिन चर्चा उनके विकेटों की नहीं नो बॉल की हो रही है।

दूसरी ओर श्रीलंका के बल्लेबाज सोनल दिनूषा ने लगातार दूसरे मैच में शतक जमा दिया है। उन्होंने 44 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की है। आगे भारतीय स्पिनर्स और सोनल के रिकॉर्ड के बारे में विस्तार से पढ़िए। साथ ही दिन के टॉप मोमेंट्स क्या रहे यह भी जानिए...

डेब्यू टेस्ट में 6 नो-बॉल डाल चुके सारांश जैन

भारतीय टीम की ओर से इस मैच में सबसे ज्यादा नो-बॉल ऑफ स्पिनर सारांश जैन ने डाला है। वे अब तक 6 नो-बॉल डाल चुके हैं। रवींद्र जडेजा ने 4 नो-बॉल फेंके हैं।

भारतीय स्पिनर्स ने 2021 से अब तक इससे ज्यादा 14 नो-बॉल 2021 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ डाले थे।

दिन के खेल के बाद भारत के स्पिन गेंदबाजी कोच सिराज बहतुले ने कहा- 'हम इस पर काम कर रहे हैं। कई बार यह चिंता का विषय बन जाता है।' उन्होंने टेस्ट में भी फ्री-हिट देने की पैरवी की। बहतुले ने कहा- अगर फ्री-हिट मिलती है तो निश्चित तौर पर नो-बॉल कम हो जाएंगी।'

इस टेस्ट में भले ही सारांश जैन ने ज्यादा नो-बॉल डाले हों, पिछले 5 साल में इस मामले में रवींद्र जडेजा सबसे आगे हैं। 2021 से टेस्ट में वे 88 नो-बॉल डाल चुके हैं।

दिनुशा ने पहली पारी में 103 रन बनाए। वे भारत के खिलाफ करियर के पहले 2 टेस्ट मैचों में शतक लगाने वाले दूसरे श्रीलंकाई हैं। इससे पहले 1982 में दिलीप मेंडिस ने भारत के खिलाफ अपने पहले दो टेस्ट में शतक जमाए थे।

एशियाड में क्रिकेट का शेड्यूल जारीः भारतीय पुरुष टीम का पहला मैच 28 सितंबर को; फाइनल से पहले पाकिस्तान से भिड़ंत संभव नहीं

जापान में होने वाले एशियन गेम्स में क्रिकेट का शेड्यूल जारी हो चुका है। भारतीय पुरुष टीम 28 सितंबर को सीधे क्वार्टरफाइनल में अपना पहला मुकाबला खेलेगी। भारत का मैच किस टीम से होगा, यह अभी तय नहीं है।

एशियन गेम्स में 10 पुरुष टीमें हिस्सा ले रही हैं। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका सीधे क्वार्टर फाइनल खेलेंगे। वहीं अफगानिस्तान सहित 6 टीमें प्रीलिमिनरी राउंड खेलेंगी।

टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान का मैच तभी संभव है, जब दोनों टीमें फाइनल में पहुंचे। टूर्नामेंट नागोया के पास कोरोगी एथलेटिक पार्क में होगा।

भारत का मैच नेपाल या अफगानिस्तान से संभव

प्रीलिमिनरी राउंड की 6 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। अफगानिस्तान, नेपाल और जापान ग्रुप- में हैं। वहीं हॉन्गकॉन्ग, मलेशिया और ओमान ग्रुप-क्क में शामिल हैं। दोनों ग्रुप की टॉप 2 टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

भारत का मुकाबला ग्रुप-ए की नंबर-2 टीम से होगा। ज्यादा संभावना है कि ग्रुप में अफगानिस्तान टॉप करे। बची 2 टीमें में नेपाल ज्यादा मजबूत नजर आती है। हालांकि इनके बीच मैच होने के बाद ही भारत को उनका विरो

महिला टूर्नामेंट 6 दिन, पुरुष 10 दिन चलेगा

महिला क्रिकेट टूर्नामेंट 17 से 22 सितंबर तक चलेगा। फाइनल 22 सितंबर को होगा। वहीं पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चलेगा। इसका फाइनल 3 अक्टूबर को खेला जाएगा।

महिला टीम जापान से पहला मैच खेलेगी

भारत की महिला टीम 18 सितंबर को जापान से पहला मैच खेलेगी। महिला कैटेगरी में सिर्फ 8 टीमें हैं। इसलिए इनके क्वार्टरफाइनल मुकाबले पहले से तय हैं।

भारत एशियन गेम्स के लिए टीम का ऐलान कर चुका है। श्रेयस अय्यर कप्तान और तिलक वर्मा उपकप्तान होंगे। टीम में वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है।

भारतीय महिला की टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर होंगी। वहीं स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया गया है।

दोनों टीमों का स्क्वॉड

पुरुष टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह।

महिला टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयांका पाटिल, राधा यादव, नंदनी शर्मा।

सीएम विष्णुदेव साय ने बाबा कर्मेश्वर का किया रुद्राभिषेक, प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड राजपुर अंतर्गत ग्राम कर्रा में आयोजित श्री महारुद्र यज्ञ एवं शिव पुराण कथा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्राचीन बाबा कर्मेश्वर धाम में भगवान शिव का विधि-विधान से रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर ग्राम कर्रा में मंगल भवन निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बाबा कर्मेश्वर की कृपा से यह क्षेत्र निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़े, इसके लिए राज्य सरकार आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाएगी।

ग

मुख्यमंत्री साय ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम कर्रा की पावन भूमि पर श्री महारुद्र यज्ञ एवं शिव पुराण कथा का आयोजन होना अत्यंत सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कथावाचक आचार्य दिव्यानंद जी महाराज को नमन करते हुए आयोजन समिति और समस्त श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पवित्र श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है। भगवान भोलेनाथ से यही प्रार्थना है कि उनकी कृपा पूरे छत्तीसगढ़ पर बनी रहे और प्रत्येक परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का वास हो।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ धर्म, संस्कृति और आस्था की समृद्ध परंपराओं की भूमि है। यह माता कौशल्या की जन्मभूमि और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। प्रदेश के गांव-गांव में प्राचीन शिवालयों, देवी मंदिरों और लोक आस्था के केंद्रों की गौरवशाली परंपरा रही है। राज्य सरकार इस समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रमुख शक्तिपीठों को धार्मिक कॉरिडोर के रूप में जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ ही धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का भगवान श्रीराम से गहरा और आत्मीय संबंध है। राज्य सरकार की रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन का अवसर मिल रहा है। अब तक लगभग 50 हजार श्रद्धालु इस योजना के माध्यम से अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों की धार्मिक आस्था और तीर्थ दर्शन की अभिलाषा को ध्यान में रखते हुए तीर्थ दर्शन योजना भी प्रारंभ की गई है। इसके अंतर्गत देशभर के 19 प्रमुख तीर्थ स्थलों को चिन्हांकित किया गया है। अब तक लगभग 10 हजार श्रद्धालु इस योजना का लाभ लेकर विभिन्न तीर्थ स्थलों के दर्शन कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बाबा कर्मेश्वर के आशीर्वाद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। दशकों तक हिंसा से प्रभावित रहे क्षेत्रों में आज शांति और विकास का नया वातावरण बन रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, संचार और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। सरकार का संकल्प है कि विकास का लाभ प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे प्रत्येक परिवार तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्रा सहित बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में भी विकास कार्यों को निरंतर गति दी जाएगी। क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए यहां आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

ग्राम कर्रा स्थित बाबा कर्मेश्वर धाम क्षेत्र की लोक आस्था का प्राचीन और महत्वपूर्ण केंद्र है। स्थानीय मान्यता के अनुसार यहां विराजमान शिवलिंग प्राकृतिक रूप से प्रकट हुआ है।

बिहान की दीदियों ने विजय शर्मा को राखी बांधकर दी बधाई

रायपुर। कबीरधाम जिले के बिहान स्व-सहायता समूहों से जुड़ी दीदियों और पशुपालकों का गुजरात के बनासकाठा स्थित डेयरी कोऑपरेटिव एवं अमूल डेयरी कोऑपरेटिव का शैक्षणिक भ्रमण उपयोगी और प्रेरणादायी रहा। भ्रमण से वापस लौटने के बाद बिहान समूह की दीदियों ने कवर्धा निवास पहुंचकर उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान दीदियों ने उन्हें रक्षाबंधन की बधाई देते हुए राखी बांधी और गुजरात में मिले अनुभवों तथा सीखी गई नई तकनीकों की जानकारी साझा की।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सभी दीदियों और पशुपालकों का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके अनुभव सुने। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब वहां से मिली सीख को अपने गांव और जिले में अपनाकर आजीविका के नए अवसर तैयार किए जाएं। उन्होंने दीदियों से बनासकाठा में देखी गई उन्नत डेयरी व्यवस्था, पशुपालन तकनीक, चारा प्रबंधन, दुग्ध संकलन, गुणवत्ता नियंत्रण और सहकारी मॉडल से मिली सीख को स्थानीय स्तर पर लागू करने का आह्वान किया।

उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री शर्मा के विशेष प्रयासों से कबीरधाम जिले के 17 बिहान समूहों की दीदियों और 17 पशुपालकों को गुजरात के बनासकाठा के शैक्षणिक भ्रमण पर भेजा गया था। दल ने वहां डेयरी कोऑपरेटिव और अमूल डेयरी कोऑपरेटिव की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने उन्नत पशुपालन तकनीक, संतुलित आहार एवं चारा विकास, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपाय, दुग्ध संकलन एवं प्रसंस्करण की आधुनिक व्यवस्था, दूध की गुणवत्ता जांच, डेयरी उत्पाद निर्माण और उनके विपणन की पूरी प्रक्रिया को करीब से समझा। इसके साथ ही सहकारी मॉडल के माध्यम से छोटे पशुपालकों को संगठित कर उनकी आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की व्यवस्था की भी जानकारी प्राप्त की।

गुजरात से लौटीं दीदियों ने बताया कि वहां पशुपालन और डेयरी गतिविधियों को केवल व्यक्तिगत आय का साधन नहीं, बल्कि सामूहिक आर्थिक विकास के मॉडल के रूप में विकसित किया गया है। दुग्ध उत्पादकों को बाजार से जोड़ने, गुणवत्ता बनाए रखने और दूध के बेहतर मूल्य प्राप्त करने की व्यवस्थाओं ने उन्हें विशेष रूप से प्रभावित किया। दीदियों ने कहा कि बनासकाठा में मिली सीख से उन्हें अपने गांवों में पशुपालन और डेयरी गतिविधियों को और बेहतर ढंग से संचालित करने की प्रेरणा मिली है।

स्कूल सफाई कर्मचारियों का सरकार को अल्टीमेटम, 2 से अनिश्चितकालीन हड़ताल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में कार्यरत अंशकालीन सफाई कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर शासन के खिलाफ आंदोलन का ऐलान किया है। स्कूल सफाई कर्मचारी संघ ने सरकार को 30 सितंबर तक मांगें पूरी करने का अल्टीमेटम दिया है। मांगें पूरी नहीं होने पर प्रदेशभर के 43 हजार से अधिक सफाई कर्मचारी 2 अक्टूबर से काम बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे।

संघ के मुताबिक प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पिछले करीब डेढ़ दशक से 43,301 अंशकालीन सफाई कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं। कर्मचारी लंबे समय से अंशकालीन सफाई कर्मचारियों को पूर्णकालिक करने और कलेक्टर दर पर सम्मानजनक मानदेय देने की मांग कर रहे हैं। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से बेहद कम मानदेय पर काम करने के बावजूद उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। बढ़ती महंगाई के बीच मौजूदा मानदेय में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। कर्मचारियों ने सरकार से उन्हें अंशकालीन के बजाय पूर्णकालिक स्कूल सफाई कर्मचारी का दर्जा देने और कलेक्टर दर पर मानदेय निर्धारित करने की मांग की है।

स्कूल सफाई कर्मचारी संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक सितंबर के प्रथम सप्ताह में राजधानी रायपुर में आयोजित की जाएगी। बैठक में मांगों और प्रस्तावित आंदोलन को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की जाएगी।

धनपुर की पुरातात्विक धरोहरों को मिलेगा संरक्षण और संवर्धन का नया आधार

रायपुर। संस्कृति मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजेश अग्रवाल के निर्देशानुसार गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित एवं संवर्धित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हुई है। पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय, महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय रायपुर से पहुंचे चार सदस्यीय विशेषज्ञ दल ने जिले के प्रमुख पुरातात्विक स्थलों का व्यापक मैदानी सर्वेक्षण एवं सूक्ष्म निरीक्षण किया।

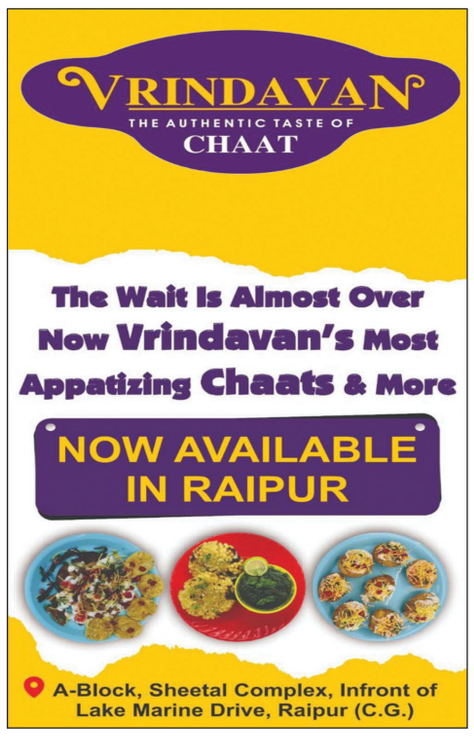

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684